डिजिटल संध्या हिन्दी दैनिक

संथाल संध्या

अब आदिवासी की आवाज सदन तक

शुक्रवार 16 मई, 2025 वर्ष- 1 अंक :58 पृष्ठ 8

Regno-T/JH/2025/0508/9358/1318 संपर्क नंबरः 9800993294,9334344989 | Email: santhalsandhya@gmail.com

ऑपरेशन सिंदूर पर दुनिया को ब्रीफ करेंगे भारतीय सांसद

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेरिका, UK, दक्षिण अफ्रीका, कतर और UAE जाएंगे; थरूर-ओवैसी रह सकते हैं शामिल

पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के सांसद दुनिया को ब्रीफ करेंगे। केंद्र सरकार सभी दलों के चुनिंदा सांसदों को 22 या 23 मई से 10 दिनों के लिए विदेश दौरे पर भेज रही है। ये सांसद अमेरिका, UK, दक्षिण अफ्रीका, कतर और UAE जाएंगे। वहां की सरकार को आतंकवाद पर भारत का पक्ष बताएंगे। न्यूज एजेंसी PTI ने सूत्रों के हवाले से बताया कि विदेश दौरे पर जाने वाले सांसदों की संख्या का अभी पता नहीं चला है। हालांकि, कुछ नेताओं ने बताया है कि सांसदों की संख्या 30 से ज्यादा हो सकती है। इनमें भाजपा, कांग्रेस, TMC, जदयू, डीएमके, NCP(SP), बीजद, CPI(M) के सांसदों के शामिल होने की संभावना है। भाजपा की तरफ से पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और सांसद अपराजिता सारंगी डेलिगेशन का हिस्सा होंगी। कांग्रेस से शशि थरूर, मनीष तिवारी, सलमान खुर्शीद और अमर सिंह शामिल होंगे। NCP(SP) की सुप्रिया सुले और AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी का नाम भी सामने आया है।

जयराम रमेश बोले- कांग्रेस डेलिगेशन का हिस्सा होगी : सांसदों के डेलिगेशन को विदेश भेजने को लेकर केंद्र की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हालांकि, कांग्रेस जनरल सेक्रेटरी (इंचार्ज कम्युनिकेशन) जयराम रमेश ने PTI को बताया कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष से बात की है। जयराम रमेश ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान से आतंकवाद पर भारत के रुख को समझाने के लिए विदेश में मल्टी पार्टी डेलिगेशन भेजने का फैसला किया है। कांग्रेस इस डेलिगेशन का हिस्सा होगी, क्योंकि वह भाजपा की तरह राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों का राजनीति नहीं करती।'

सरकार ने 8 मई को सभी दलों की बैठक बुलाई थी : केंद्र सरकार ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक की थी। अगले दिन संसद में ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए सभी दलों की बैठक बुलाई गई थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की थी। रक्षा मंत्री ने बैठक में बताया कि भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (POJK) में आतंकी ठिकानों पर जो हमले किए, उसमें कम से कम 100 आतंकवादी मारे गए। सर्वदलीय बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के अलावा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी पहुंचे थे।

1994: विपक्ष के नेता वाजपेयी ने UNHRC में भारत का पक्ष रखा था: ये पहली बार नहीं है, जब केंद्र सरकार ने किसी मुद्दे पर अपना पक्ष रखने के लिए विपक्षी पार्टियों की मदद लेगी। इससे पहले 1994 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने कश्मीर के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखने के लिए विपक्ष के नेता अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारतीय डेलिगेशन को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग (UNHRC) भेजा था। उस डेलिगेशन में जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला और सलमान खुर्शीद जैसे नेता भी शामिल थे।

विदेश मंत्रालय ने सांसदों को विदेश यात्रा के लिए तैयार रहने को कहा

विदेश मंत्रालय (MEA) सांसदों को डिप्लोमेटिक मिशन के लिए रवाना होने से पहले जानकारी देगा। एक पार्टी के नेता ने अपना नाम उजागर न करते हुए PTI को बताया कि उन्हें 22-23 मई तक 10 दिनों के लिए रवाना होने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। विदेश मंत्रालय यात्रा से जुड़े डिटेल्स शेयर करने के लिए उनसे संपर्क करेगा। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों की तरफ से बताया जा रहा है कि डेलिगेशन में 5-6 सांसदों के 8 ग्रुप्स होंगे। सांसदों के साथ विदेश मंत्रालय (MEA) का एक अधिकारी और एक सरकारी प्रतिनिधि भी जाएंगे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सांसदों का विदेश दौरा कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। सांसदों को निमंत्रण भेजा जा चुका है। उन्हें अपना पासपोर्ट और ट्रैवल से जुड़ी जरूरी डॉक्यूमेंट्स तैयार रखने की सलाह दी गई है।

श्रीनगर के बाद भुज एयरबेस पर रक्षा मंत्री ने वायु योद्धाओं का हौसला बढ़ाया

एजेंसी। नई दिल्ली

ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान में गिराई गई मिसाइलों की गूंज पूरी दुनिया ने सुनी : राजनाथ

ऑपरेशन 'सिंदूर' स्थगित किये जाने के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को गुजरात के भुज में स्थित वायु सेना स्टेशन पर वीर वायु योद्धाओं का हौसला बढ़ाने के लिए पहुंचे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सरजमीं पर पल रहे आतंक के अजगर को कुचलने के लिए भारतीय वायु सेना के लिए सिर्फ 23 मिनट काफी थे। हमारी एयर फोर्स एक ऐसी 'स्काइफ़ोर्स' है, जिसने अपने शौर्य, पराक्रम और प्रताप से आसमान की नई और बुलंद ऊंचाइयों को छू लिया है। जितनी देर में लोग नाश्ता-पानी निपटाते हैं, उतनी देर में आपने दुश्मनों का निपटारा कर दिया। आपने दुश्मन की सीमा के भीतर जाकर जो मिसाइल गिराई, उसकी गूंज पूरी दुनिया ने सुनी। रक्षा मंत्री ने कहा कि अभी कल ही मैं श्रीनगर में सेना के अपने वीर जवानों से मिलकर लौटा हूं। कल मैं भारत के उत्तरी भाग में जवानों से मिला। आज मैं भारत के पश्चिमी भाग में वायु योद्धाओं और जवानों से मिल रहा हूं। दोनों ही मोर्चों पर हाई एनर्जी और हाई जोश देखकर आश्वस्त हो गया हूं कि भारत की सीमाएं आप सभी की मजबूत भुजाओं में पूरी तरह से सुरक्षित हैं। भुज का यह एयरबेस 1965 में पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी रहा है। यह भुज 1971 में भी पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी रहा है। आज एक बार फिर यह भुज पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी बना है। इसकी मिट्टी में देशभक्ति की खुशबू है, इसलिए यहां के जवानों में भारत की सुरक्षा का अडिग संकल्प है। उन्होंने कहा कि सरकार और देश की जनता हर कदम पर, हर स्थिति में आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। मुझे पूरा विश्वास है कि आपके सहयोग से हम इस पूरे क्षेत्र में आतंकवाद का समूल नाश करेंगे, ताकि कल को कोई भारत की संप्रभुता के खिलाफ आंख उठाने की भी हिमाकत न करे। अब हमने साफ कर दिया है कि अगर हमारी संप्रभुता को कोई नुकसान पहुंचाएगा, तो वह प्रहार भी झेलेगा। आतंकवाद का हम मजबूती से और जोरदार तरीके से जवाब देंगे। एक और बात मैं यहां साफ कहना चाहूंगा कि ऑपरेशन 'सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है। अब तक जो कुछ भी हुआ, वह सिर्फ एक ट्रेलर मात्र था। जब सही समय आएगा, तो हम पूरी पिक्चर भी दिखाएंगे। वायु योद्धाओं का हौसला बढ़ाते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि अब आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई केवल सुरक्षा का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय रक्षा सिद्धांत का हिस्सा बन चुकी है। हम आपके साथ मिलकर इस हाइब्रिड और छद्म युद्ध को जड़ से समाप्त करेंगे। आज के समय में पाकिस्तान को किसी भी तरह की आर्थिक सहायता आतंकवाद का वित्तपोषण से कम नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

तीन दिन, दो एनकाउंटर, छह आतंकी ढेर, सेना बोली– आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन जारी रहेगा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षाबलों का अभियान तेज हो गया है। पिछले तीन दिनों में हुए दो अलग-अलग एनकाउंटर में छह आतंकवादियों को मार गिराया गया है। सेना और पुलिस ने शुक्रवार को एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी कि कश्मीर घाटी में आतंकवाद के खात्मे तक ऑपरेशन जारी रहेगा। पिछले 72 घंटों में सुरक्षाबलों ने त्राल और शोपियां में दो अलग-अलग स्थानों पर अभियान चलाया। त्राल में एक गांव में ऑपरेशन हुआ। शोपियां में कार्रवाई ऊंचे पहाड़ी इलाके में की गई। दोनों ही ऑपरेशन में सटीक रणनीति और सावधानीपूर्वक कार्रवाई के तहत आतंकवादियों को ढेर किया गया। सेना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि ऑपरेशन में सभी सुरक्षा एजेंसियों – सेना, सीआरपीएफ और पुलिस के बीच तालमेल बेहतरीन रहा, जो इस सफलता का मुख्य कारण बना। अधिकारियों ने कहा कि यही तालमेल भविष्य में भी बरकरार रहेगा और इसी रणनीति के तहत आतंकवाद के समूल सफाए की दिशा में कदम बढ़ाए जाएंगे। सेना अधिकारियों ने जम्मू-कश्मीर की आम जनता को भी धन्यवाद दिया और कहा, स्थानीय लोगों का सहयोग न होता, तो इस तरह की सफलता न केवल कठिन, बल्कि असंभव होती। सेना ने लोगों से अपील की है कि वे आतंकवाद के खिलाफ इस मुहिम में सुरक्षाबलों का इसी तरह सहयोग करते रहें।

व्यापारियों ने तर्किये के सेबों का बहिष्कार करके देश भक्ति का परिचय दिया : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने व्यापारियों द्वारा तुर्किये की वस्तुओं के बहिष्कार का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ और आतंक के समर्थक देशों के साथ व्यापार और संबंध बंद होने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापारियों ने तर्किये के सेवों का बहिष्कार करके अपनी देश भक्ति का परिचय दिया है। यह बातें मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को आजादपुर मंडी का निरीक्षण करने के दौरान कही। निरीक्षण के दौरान दिल्ली के श्रम कपिल मिश्रा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली की सभी मंडियों की हालत बहुत दयनीय है। इन मंडियों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। पिछले 10-15 सालों से इन मंडियों में कोई काम नहीं हुआ।मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने मंडियों को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया था। उन्होंने कहा कि हजारों मजदूर और सैकड़ों व्यापारी इन मंडियों में काम करते हैं लेकिन फिर भी यहां न सफाई, न सड़क, न सुरक्षा व्यवस्था है। इन मंडियों में विकास का कोई काम नहीं हुआ है। दिल्ली को लंदन पेरिस बनाने का दावा करने वाली आआपा सरकार ने इन मंडियों को कूड़दान बनाया था। मुख्यमंत्री ने आजादपुर मंडी का निरीक्षण करने के दौरान व्यापारियों, किसानों और आढ़तियों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं।

आतंक के खिलाफ लड़ रहे भारत के समर्थन में आया अफगानिस्तान, जयशंकर ने दिया धन्यवाद

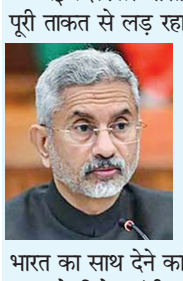

नई दिल्ली। भारत आतंकवाद के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ रहा है। इस लड़ाई में तुर्की और अजरबेजान जैसे देश आतंकियों का साथ दे रहे हैं वहीं अफगानिस्तान ने बड़ी समझदारी दिखाते हुए आतंकवाद की खिलाफत करते हुए भारत का साथ देने का वादा किया है। इस पर भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने धन्यवाद दिया है। जयशंकर ने गुरुवार को अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी से पहली बार बातचीत की है। तालिबान के अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता में आने के बाद दोनों देशों के बीच यह पहली उच्च स्तरीय राजनीतिक बातचीत है।यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई जवाबी कार्रवाई के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव चरम पर हैं। इस हमले की अफगान सरकार ने कड़ी निंदा की थी, जिसे जयशंकर ने गहराई से सराहा है। जयशंकर ने बातचीत के बाद एक्स पर लिखा, अफगान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मौलवी अमीर खान मुत्ताकी के साथ अच्छी बातचीत हुई। पहलगाम आतंकी हमले की उनकी स्पष्ट निंदा के लिए आभार। अफगान और भारत की जनता के पारंपरिक मैत्रीपूर्ण संबंधों को रेखांकित किया और उनके विकासा की आवश्यकताओं में भारत के निरंतर समर्थन की पुष्टि की। तालिबान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस बातचीत में मुत्ताकी ने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को सशक्त करने, व्यापार बढ़ाने और राजनयिक संबंधों को और मजबूती देने पर बल दिया।

डीजीसीएः एयरपोर्ट पर गलती करने वालों को भुगतना होगा 1 करोड़ तक का जुर्माना

एजेंसी। नई दिल्ली

अब एयरपोर्ट पर गलती से भी मिस्टेक करने वालों के लिए इंडियन एयरक्राफ्ट एक्ट 2024 के तहत डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने यह जुर्माना निर्धारित किया है और इस जुर्माने से संबंधित दस्तावेजों का गजट नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है। एक्ट के तहत इस जुर्माने को पांच लेवल में बांटा गया है। पहले लेवल पर 10 हजार रुपए से 5 लाख रुपए तक का जुर्माने का प्रावधान किया गया है। दूसरे लेवल पर 20 हजार रुपए से 12.50 लाख रुपए, तीसरे लेवल पर 50 हजार रुपए से 25 लाख रुपए, चौथे लेवल पर 75 हजार रुपए से 50 लाख रुपए और पांचवे लेबल पर 1.50 लाख रुपए से 1 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। यह जुर्माना लापरवाही करने वाले के पद के हिसाब से निर्धारित होगा। विमान दुर्घटनाओं और फ्लाइट के दौरान दुर्घटनाओं को लेकर डीजीसीए ने सख्त रुख अपनाया है। डीजीसीए की कोशिश है कि सभी एयरलाइंस और एयरपोर्ट ऑपरेटर पैसेंजर की सुरक्षा पर जोर दें। साथ ही, हवाई दुर्घटना या फ्लाइट में हुई किसी भी तरह की घटना की तत्काल सूचना दी जाए और उसकी जांच बिना किसी देरी के पूरी की जाए। डीजीसीए के नए नियम भारतीय और विदेशी दोनों एयरलाइंस में लागू किए गए है। साथ ही यह नियम मानव रहित एयरक्राफ्ट्स पर भी लागू किया गया है। डीजीसीए के अनुसार, किसी भी तरह की दुर्घटना या गंभीर घटना होने पर पायलट एयरक्राफ्ट ओनर या ऑपरेटर को तुरंत इसकी जानकारी एयक्राफ्ट एक्सीडेंट इंवेस्टिगेशन ब्यूरो और लोकल एडमिनिस्ट्रेशन को देना होगा। साथ ही, यह भी सुनिश्चित करना होगा कि फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (ब्लैक बॉक्स) या किसी अन्य सबूतों से किसी तरह की कोई छेडछाड़ न की जाए। दरअसल, 14 मई 2025 को केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने विमान दुर्घटनाओं और हवाई घटनाओं की जांच को लेकर नए नियम जारी किए थे। इन नियमों के तहत डीजीसीए से लेकर एयरपोर्ट और एयरलाइंस ऑपरेटर तक सभी की जिम्मेदारी तय की गई है। यह जुर्माना आर्गनाइजेशन की साइज के आधार पर भी तय होगा। वहीं, पद की बात करें तो उप निदेशक पर बैठे अधिकारियों के लिए 10 हजार रुपए से 12.50 लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। वहीं निदेशक रैंक के अधिकारियों के लिए जुर्माना 50 हजार रुपए से 50 लाख तक है और महानिदेशक के लिए यह जुर्माना 1.50 लाख रुपए से एक करोड़ रुपए तक है।

अब थरुर के राह पर चल पड़े वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम!

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरुर पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं। थरुर के बाद अब कांग्रेस के एक और दिग्गज नेता पी चिदबंरम ने भी थरुर के रास्ते पर चल पड़े हैं। चिदंबरम ने हाल ही में एक अंग्रेजी अखबार में लेख लिखकर ऑपरेशन सिंदूर और भारत-पाकिस्तान सीजफायर को लेकर केंद्र सरकार के फैसलों की सराहना की है। इससे एक कदम और आगे बढ़ते हुए उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ तैयार विपक्षी एकजुटता (इंडिया गठबंधन) के अस्तित्व पर सवाल खड़ा कर दिया। उनके इस कदम के बाद सियासी गलियारे में अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। चिदंबरम ने गुरुवार को इंडिया गठबंधन की स्थिरता पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं कि यह गठबंधन अभी भी बरकरार है। उन्होंने यह टिप्पणी दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में एक पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में की।चिदंबरम ने कहा, इस किताब के लेखर मृत्युंजय सिंह यादव का मानना है कि इंडिया गठबंधन अब भी कायम है। इस बात पर मुझे यकीन नहीं है। शायद सलमान खुर्शीद इसका जवाब दे सकते हैं, क्योंकि वह इंडिया गठबंधन की बातचीत टीम का हिस्सा थे।

सुप्रीम कोर्ट ने इस्कॉन बेंगलुरु के पक्ष में सुनाया फैसला, मुंबई इस्कान को झटका

मुंबई। मुंबई बनाम इस्कॉन बेंगलुरु विवाद मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इस्कॉन बेंगलुरु के पक्ष में फैसला दे दिया है। बेंगलुरु हरेकृष्ण हिल टेंपल इस्कॉन बेंगलुरु के पास ही रहेगा। मुंबई इस्कॉन के अधिकार को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश को पलटकर फैसला सुनाया है और निचली अदालत के द्वारा सुनाए गए फैसले को अदालत ने सही ठहराया है। निचली अदालत ने इस्कॉन मुंबई के अधिकार को खारिज कर कहा था कि इस्कॉन बेंगलुरु इस्कॉन मुंबई की शाखा नहीं बल्कि एक स्वतंत्र संस्था है। यह विवाद दशकों पुराना है, जिसका अब निपटारा हुआ है। जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने फैसला सुनाया है। 15 फरवरी 2016 को सुप्रीम कोर्ट में आए मामले में आठ साल बाद 24 जुलाई 2024 को सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रखा। दरअसल, इस्कॉन के संस्थापक श्रील प्रभुपाद भक्तिवेदांत स्वामी के महासमाधि में जाने के बाद उनके शिष्यों के बीच सिद्धांतों को लेकर विवाद शुरू हुआ। इस्कॉन मुंबई पर ज्यादा प्रभाव प्रभुपाद के विदेशी शिष्यों का था। उन लोगों पर आरोप है कि समाधि प्रवेश से पहले प्रभुपाद की उस वसीयत का पालन नहीं किया गया, जिसमें भविष्य में इस्कॉन के संचालन की रूपरेखा थी।

आखिर कर क्यों भारतीय इतिहास के पन्नों में दर्ज होगा ऑपरेशन सिंदूर, पीएम मोदी ने बता दी इसकी वजह

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत ने 6 और 7 मई की रात के दरमियान एक ऐतिहासिक और साहसिक सैन्य कार्रवाई कर ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया, जो भविष्य में आतंकवाद और सैन्य रणनीति की पढ़ाई में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह पहली बार है जब भारत ने परमाणु संपन्न देश पाकिस्तान के भीतर जाकर इतनी बड़ी सैन्य कार्रवाई की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 मई को कहा कि यह ऑपरेशन सिर्फ जवाबी कार्रवाई नहीं थी, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नई नीति की घोषणा थी। उन्होंने बताया कि भारतीय ड्रोन और मिसाइलों ने पाकिस्तान के आतंकी और सैन्य ठिकानों को अभूतपूर्व नुकसान पहुंचाया। पाकिस्तान की ओर से की गई परमाणु हमले की धमकियों को दरकिनार ऑपरेशन सिंदूर के तहत 10 मई को भारत ने पाकिस्तानी वायुसेना के रणनीतिक ठिकानों-रावलपिंडी, चकलाला और सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया, जिससे पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम को प्रत्यक्ष चेतावनी दी गई। भारतीय वायुसेना के हमलों में पाकिस्तान को सैन्य और मनोवैज्ञानिक दोनों मोर्चों पर भारी नुकसान उठाना पड़ा। पीएम मोदी ने दो टूक कहा, भारत अब आतंक के सौदागरों को उन्हीं की जमीन पर ही जवाब देगा। पाकिस्तान ने सीमा पर हमला करने की तैयारी की थी, लेकिन भारत ने उसके दिल पर हमला किया। सैन्य सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए और पाकिस्तानी वायुसेना को अपने ठिकाने पीछे खींचने पड़े। यह ऑपरेशन इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि यह दिखाता है कि अब भारत किसी भी परमाणु ब्लैकमेल से नहीं डरता और सटीक जवाब देने को तैयार है।

दैनिक संध्या न्यूज़पेपर

(आवश्यकता)

संथाल संध्या

सभी जिले में ब्यूरो चीफ की आवश्यकता

पाकुड़, साहिबगंज ,देवघर, जामताड़ा, धनबाद, गोड्डा, कोडरमा, रामगढ़, गिरिडीह

इच्छुक व्यक्ति नीचे दिए गए संपर्क नंबर पर संपर्क

9800993294 , 9334344989

संक्षिप्त समाचार

प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी ने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास योजनाओं का निरीक्षण किया

पाकुड़/पाकुड़ियाः– प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी जगदीश पंडित ने शुक्रवार को ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर संचालित विकास योजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रखंड के पलियादाहा पंचायत के विभिन्न गांवों का दौरा कर अबुवा आवास, विरसा हरित ग्राम योजना, बिरसा सिंचाई कूप, मुख्यमंत्री पशुधन योजना सहित अन्यान्य जनकल्याणकारी योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। बीपीओ ने लाभुक साहिबा बीबी का पौधारोपण, गणेश मिर्धा का डोभा निर्माण, सावित्री मिर्धा और सरस्वती मड़ैया का निर्माणाधीन अबुआ आवास का निरीक्षण किया। उन्होंने प्राक्कलन के अनुरूप कार्य को अविलंब पूरा करवाने का निर्देश कनीय अभियंता और पंचायत सचिव को दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचना चाहिए और इसके लिए अधिकारियों को कड़ी मेहनत करनी होगी। प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाएं और गुणवत्ता का ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचने से ही विकास का उद्देश्य पूरा होगा। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं की नियमित समीक्षा करने और आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर सहायक अभियंता रोहित गुप्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने भी योजनाओं के निरीक्षण में सहयोग किया और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी के निरीक्षण से विकास योजनाओं को गति देने का प्रयास किया जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों में तेजी आएगी और आम लोगों को योजनाओं का लाभ मिलेगा। इससे क्षेत्र के विकास में नई गति आएगी और लोगों का जीवन स्तर सुधरेगा। प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी के निरीक्षण से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की नई पहल शुरू हुई है। इससे लोगों में आशा की नई किरण जगी है और वे अपने क्षेत्र के विकास के लिए आशान्वित हैं। अब देखना यह है कि विकास योजनाओं का क्रियान्वयन कैसे होता है और आम लोगों को इसका कितना लाभ मिलता है।

डेंगू से बचाव के लिए स्कूली बच्चों को जागरूक किया गया

पाकुड़ः– डीएवी पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को राष्ट्रीय डेंगू दिवस के उपलक्ष्य पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को डेंगू बीमारी से संबंधित जानकारी दी गई और अपने आसपास के लोगों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में डेंगू के लक्षण और बचाव के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गई। बच्चों को स्वच्छ परिवेश में रहने के लिए प्रेरित किया गया और मच्छरों से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया। डॉक्टर्स ने बताया कि डेंगू के मच्छर साफ पानी में पनपते हैं, इसलिए अपने आसपास के क्षेत्र को साफ रखना बहुत जरूरी है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के डॉ. अमित कुमार, डॉ. गुफरान आलम, अंकित कुमार, राजकिशोर प्रसाद और शांतनु मंडल ने भी डेंगू के बारे में जानकारी दी और बच्चों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि डेंगू के लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और चमड़ी पर चकत्ते शामिल हो सकते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विद्यालय प्राचार्य डॉ. विश्वदीप चक्रवर्ती का मुख्य सहयोग रहा। उन्होंने बच्चों को डेंगू से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि स्वच्छता और सावधानी से हम डेंगू के मामलों को कम कर सकते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को डेंगू के बारे में जागरूक करना और उन्हें अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित करना था। इससे डेंगू के मामलों को कम करने में मदद मिलेगी और समुदाय को स्वस्थ बनाने में योगदान होगा। बच्चों ने भी इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने सवालों के जवाब पाए। विद्यालय ने आने वाले दिनों में भी जागरूकता अभियान जारी रखने का निर्णय लिया है। इससे छात्रों को डेंगू और अन्य बीमारियों के बारे में जागरूक करने में मदद मिलेगी और वे अपने समुदाय में भी जागरूकता फैला सकेंगे।

पवित्र वैशाख माह के समापन पर मोंगलाबांध में धुलौट कीर्तन का आयोजन

पाकुड़/पाकुड़िया :– मोंगलाबांध गांव में शुक्रवार को पवित्र वैशाख माह के समापन के अवसर पर धुलौट कीर्तन का आयोजन किया गया। धुलौट कीर्तन मोंगलाबांध दुर्गामंदिर से निकलकर पूरे गांव का भ्रमण करते हुए पुनः वापस लौटी। इस अवसर पर गाजे बाजे के साथ निकटवर्ती राज्य पश्चिम बंगाल के धुलौट संकीर्तन का जत्था भी पूरे मोंगलाबांध में भ्रमण कर संकीर्तन की प्रस्तुति झूमते नाचते गाते हुए किया।ग्रामीणों ने कीर्तन मंडलियों का अभिनंदन पुष्प वर्षा कर बताशा चढ़ाकर एवं शरबत आदि पिलाकर किया। धुलौट भ्रमण के दौरान रास्ते में जगह-जगह पर प्रसाद के रूप में शर्बत व बतासा वितरण किया गया। इस दौरान लोगों में भक्ति का ज्वार देखा गया और वे भक्ति सागर में डूबकी लगा रहे थे। लोगों के चेहरे पर खुशी और उत्साह की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। धुलौट समापन के बाद दुर्गा मंदिर प्रांगण मोगलाबांध में खिचड़ी महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर लोगों ने बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ महाप्रसाद ग्रहण किया। महाप्रसाद वितरण के दौरान लोगों में आपसी प्रेम और सौहार्द की भावना देखी गई। धुलौट कीर्तन के आयोजन से गांव में भक्ति और उत्साह का माहौल देखा गया। लोगों ने इस अवसर पर अपनी श्रद्धा और भक्ति का प्रदर्शन किया और धुलौट कीर्तन का आनंद लिया। इस आयोजन से लोगों में आपसी प्रेम और सौहार्द की भावना भी बढ़ी। धुलौट कीर्तन के माध्यम से लोगों ने अपनी आध्यात्मिक भावनाओं को व्यक्त किया और भगवान की भक्ति में लीन हो गए। धुलौट कीर्तन के आयोजन की सफलता के पीछे ग्रामीणों की मेहनत और समर्पण की भावना थी। ग्रामीणों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए दिन-रात मेहनत की और अपनी श्रद्धा और भक्ति का प्रदर्शन किया। इस आयोजन से गांव में एकता और सौहार्द की भावना बढ़ी और लोगों ने अपनी आध्यात्मिक भावनाओं को व्यक्त करने का अवसर प्राप्त किया।

पाकुड़ शहर के वार्ड 11 की सड़क 20 वर्षों से जर्जरः आखिर कब होगा सुधार?

संथाल संध्या

पाकुड़ :– शहर के वार्ड संख्या 11 में स्थित एक पक्की सड़क बीते 20 वर्षों से अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। इस सड़क का निर्माण लगभग 20 वर्ष पूर्व हुआ था, लेकिन आज यह सड़क जर्जर हो चुकी है और राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। गड्ढों से भरी इस सड़क पर चलना पहाड़-पर्वत पार करने जैसा हो गया है। स्थानीय नागरिकों ने कई बार अखबारों और सोशल मीडिया के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला है। नागरिकों में रोष है कि नगरपरिषद समय पर टैक्स वसूली के लिए हर घर में दस्तक देती है, लेकिन जनता की मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी की जाती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नेता सिर्फ चुनावी मौसम में बड़े-बड़े वादों के साथ मोहल्ले में दिखाई देते हैं। अखबारों में छपवाकर और सोशल मीडिया पर फोटो खिंचवा कर स्वयं को समाजसेवी और बड़े नेता साबित करने की कोशिश करते हैं, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि वर्षों से जर्जर पड़ी इस सड़क की ओर किसी ने मुड़कर नहीं देखा।

जनता अब यह जानना चाहती है कि आखिर इस बदनसीब सड़क का उद्धार कब होगा? क्या अधिकारी और जनप्रतिनिधि कभी इस ओर ध्यान देंगे या यह सड़क यूँ ही राजनीति की धूल में दबकर दम तोड़ती रहेगी? स्थानीय नागरिकों का कहना है कि वे अपने क्षेत्र की सड़क की मरम्मत की मांग कर रहे हैं, जो उनका मूल अधिकार है। अब देखना यह है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस मामले में क्या कार्रवाई करते हैं। क्या वे स्थानीय नागरिकों की मांगों को सुनेंगे और सड़क की मरम्मत करेंगे, या फिर यह सड़क यूँ ही जर्जर पड़ी रहेगी और स्थानीय नागरिक अपनी किस्मत को कोसते रहेंगे ? जिले के नगरपरिषद की यह दुर्दशा देखकर यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति क्या होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कें, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाएं कितनी बदहाल होंगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। अब तो नगरपरिषद अध्यक्ष से बस इतनी अपील है कि वे अपने क्षेत्र की समस्याओं को समझें और उन्हें हल करने के लिए कदम उठाएं। स्थानीय नागरिकों की मांगों को सुनें और सड़क की मरम्मत के लिए जल्द से जल्द कार्रवाई करें। क्या यह बहुत ज्यादा मांग है? नहीं, यह तो बस मूलभूत सुविधाओं की मांग है जो हर नागरिक का अधिकार है।

जनता की समस्याओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकताः उपायुक्त

संथाल संध्या

साहिबगंजः– जिला दंडाधिकारी -सह-उपायुक्त हेमंत सती के द्वारा आयोजित जनता दरबार में लोगों की समस्याएं सुनी गईं और उनके समाधान का भरोसा दिलाया गया। यह दरबार उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित किया गया, जहां विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं को प्रस्तुत किया। जनता दरबार में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पानी, बिजली, और सरकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर लोग उपायुक्त से मिले। उपायुक्त ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के पदाधिकारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनता दरबार के दौरान उपायुक्त ने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं को सीधे प्रशासन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है और हर समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उपायुक्त ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्राप्त शिकायतों को समयबद्ध तरीके से हल करें। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि जो शिकायतें तुरंत हल हो सकती हैं, उनका समाधान मौके पर ही किया जाए।

इससे लोगों को अपनी समस्याओं का समाधान जल्दी मिलेगा और उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उपायुक्त ने जनता से अपील की कि वे अपनी समस्याओं को निडर होकर प्रशासन के समक्ष रखें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य जनता की समस्याओं का समाधान करना है, न कि उन्हें बढ़ाना। इससे लोगों में प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ेगा और वे अपनी समस्याओं को लेकर प्रशासन के पास आने में संकोच नहीं करेंगे।

महिलाओं को रोजगार के नए अवसरः साहिबगंज में प्रशिक्षण कार्यक्रम

संथाल संध्या

साहिबगंजः- जिले में भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण रोजगार प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से महिलाओं के लिए दो महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। पहले कार्यक्रम में जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर के रूप में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें महिलाओं को दुल्हन मैकअप और पार्टी मैकअप की तकनीक सिखाई जा रही है।

इस कार्यक्रम के 32वें दिन प्रशिक्षुओं को दुल्हन मैकअप की विशेष तकनीक सिखाई गई, जिससे वे गांव में रहकर अपना विमेंस पार्लर चला सकें और कस्टमर को आकर्षित कर सकें। आज के समय में ब्राइडल मैकअप का प्रचलन ज्यादा है, और इस प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाएं इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकती हैं। प्रशिक्षुओं को दुल्हन मैकअप के अलावा पार्टी मैकअप, फेस केयर और हेयर स्टाइलिंग की भी तकनीक सिखाई जा रही है।

इसके अलावा, आर्सेटी में 31 दिवसीय विमेंस गारमेंट्स का प्रशिक्षण भी जारी है, जिसमें झारखंड आजीविका सखी मंडल की 35 दीदियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाएं अपने कौशल में सुधार कर सकती हैं और अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं। प्रशिक्षुओं को गारमेंट्स डिजाइनिंग, कटिंग और सिलाई की तकनीक सिखाई जा रही है।

कार्यक्रम में आर्सेटी निदेशक रविन्द्र कुमार, एलडीएम सुधीर कुमार, सीएम क्रेडिट एसबीआई गोपाल प्रसाद और अन्य अतिथि उपस्थित थे। अतिथि प्रशिक्षक रीना देवी, चम्पा पाल, राजहंस कुमार और उपेंद्र गोप ने भी प्रशिक्षुओं को अपनी विशेषज्ञता प्रदान की। सहायक रंजीत कुमार ठाकुर, आकाश कुमार, तौफीक आलम, नीरज शर्मा और सुरेंद्र मुर्मू ने भी कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। महिलाएं अपने कौशल में सुधार कर सकती हैं और अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं, जिससे वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकती हैं। आर्सेटी निदेशक रविन्द्र कुमार ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्राप्त कर रही हैं। वे अपने कौशल में सुधार कर सकती हैं और अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं, जिससे वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकती हैं।

साहिबगंजः बाल श्रमिक उन्मूलन समिति की संयुक्त बैठक आयोजित

संथाल संध्या

साहिबगंजः– जिला कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में बाल श्रमिक उन्मूलन समिति, जिला टास्क फोर्स तथा बंधुआ निगरानी समिति की संयुक्त बैठक संपन्न हुई। बैठक में पिछले बैठक में दिए गए निर्देश के अनुपालन की जानकारी ली गई और जिले में बाल श्रम व बंधुआ श्रम से जुड़ी स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में श्रम अधीक्षक धीरेंद्र कुमार महतो, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी एवं अन्य उपस्थित थे। सभी पदाधिकारियों ने अपने विभागों की गतिविधियों की जानकारी दी और आपसी समन्वय के साथ अभियान को और प्रभावी बनाने पर सहमति जताई। बैठक का उद्देश्य बाल श्रम और बंधुआ श्रम के खिलाफ अभियान को और मजबूत करना था। उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने विभागों में बाल श्रम और बंधुआ श्रम के मामलों की जांच करें और आवश्यक कार्रवाई करें। बैठक में आपसी समन्वय से अभियान को प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। सभी पदाधिकारियों ने कहा कि वे आपसी समन्वय से काम करेंगे और बाल श्रम और बंधुआ श्रम के खिलाफ अभियान को और मजबूत बनाएंगे।

बाल श्रम और बंधुआ श्रम के प्रभाव पर चर्चा की गई और इसके नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि बाल श्रम और बंधुआ श्रम के मामलों की जांच और कार्रवाई के लिए एक विशेष टीम का गठन किया जाएगा। बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया और कहा कि बाल श्रम और बंधुआ श्रम के खिलाफ अभियान को और मजबूत बनाने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि इससे जिले में बाल श्रम और बंधुआ श्रम के मामलों में कमी आएगी और बच्चों के अधिकारों की रक्षा होगी।

विश्व डेंगू दिवस पर पाकुड़िया में जागरूकता रैली निकाली गई

संथाल संध्या

पाकुड़/पाकुड़ियाः– शुक्रवार को विश्व डेंगू दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. भरत भूषण भगत के नेतृत्व में जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली का उद्देश्य डेंगू की गंभीरता और इससे बचाव के तरीकों के बारे में आम लोगों को जागरूक करना था। रैली में स्वास्थ्य कर्मियों, एएनएम, एमपीडब्ल्यू और चिकित्सकों ने भाग लिया। उन्होंने गांवों में जाकर आम लोगों को डेंगू से बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी दी और जलजमाव को निस्तारित करने के लिए जागरूक किया। इस दौरान लोगों को डेंगू के लक्षण और इसके प्रभावों के बारे में भी बताया गया। रैली के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने चापकल के पास, नालियों के पास जलजमाव को जनसहयोग से बहा दिया और उसमें जले हुए मोबिल को डाल दिया, जिससे डेंगू का लार्वा खत्म हो जाए। इससे लोगों को यह समझ में आया कि जलजमाव को निस्तारित करना कितना जरूरी है।

चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. भरत भूषण भगत ने आम लोगों को दिए अपने संदेश में बताया कि डेंगू से बचाव के लिए घरों के आसपास जलजमाव नहीं होने देना बहुत जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने घरों के आसपास साफ-सफाई रखें और पुराने पड़े टायर, बर्तन, कूलर, फ्रिज आदि में जमा पानी तुरंत फेंक दें। सोते समय मच्छड़दानी का इस्तेमाल करना भी जरूरी है। इस अवसर पर चिकित्सक डॉ. मंजर आलम, डॉ. गंगा शंकर साहा, कार्यक्रम प्रबंधक प्रभात कु दास और नित्य पाल उपस्थित थे। उन्होंने भी लोगों को डेंगू से बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी दी और जागरूक किया। डेंगू से बचाव के लिए जागरूकता बहुत जरूरी है। अगर हम अपने घरों के आसपास साफ-सफाई रखें और जलजमाव नहीं होने दें, तो हम डेंगू के खतरे को कम कर सकते हैं। इस रैली के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया है, जिससे वे अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रख सकें। लोगों ने इस जागरूकता रैली की सराहना की और कहा कि इससे उन्हें डेंगू के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिला है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को धन्यवाद दिया और आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की अपील की।

स्वदेशी जागरण मंच ने तुर्की के पाकिस्तान को सैन्य समर्थन की निंदा की, आर्थिक प्रतिबंध और उड़ान प्रतिबंध की मांग की

बासु कुमार की रिपोर्ट

गोड्डा/महागामाः– स्वदेशी जागरण मंच ने तुर्की के पाकिस्तान को सैन्य समर्थन की कड़ी निंदा की है और भारत सरकार से तुर्की पर आर्थिक प्रतिबंध, उड़ान प्रतिबंध और पर्यटन बहिष्कार का आह्वान किया है। मंच ने कहा कि तुर्की की यह कार्रवाई भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरनाक है और दक्षिण एशिया की स्थिरता को कमजोर करती है। स्वदेशी जागरण मंच ने कहा कि तुर्की ने पाकिस्तान को महत्वपूर्ण सैन्य हार्डवेयर, तकनीकी प्लेटफॉर्म और प्रशिक्षण की आपूर्ति की है, जिससे पाकिस्तान की सैन्य क्षमता में वृद्धि हुई है। मंच ने कहा कि यह समर्थन प्रत्यक्ष मिलीभगत है और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। तुर्की ने पाकिस्तान की नौसेना के आधुनिकीकरण और उसकी हवाई युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है, जिससे भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बढ़ गया है। स्वदेशी जागरण मंच ने भारत सरकार से तुर्की पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने और उड़ान प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया

है। मंच ने कहा कि इससे तुर्की को पाकिस्तान को सैन्य समर्थन देने से रोका जा सकता है और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत किया जा सकता है। मंच ने कहा कि तुर्की से गैर-आवश्यक आयातों को प्रतिबंधित करने और संगमरमर, रसायन और मशीनरी जैसी प्रमुख तुर्की वस्तुओं पर उच्च शुल्क लगाने से तुर्की की अर्थव्यवस्था पर दबाव डाला जा सकता है।

स्वदेशी जागरण मंच ने भारत के लोगों से तुर्की के उत्पादों, यात्रा और सांस्कृतिक निर्यात का बहिष्कार करने का आह्वान किया है। मंच ने कहा कि इससे तुर्की को आर्थिक नुकसान होगा और वह पाकिस्तान को सैन्य समर्थन देने से पहले दो बार सोचेगा। मंच ने कहा कि भारतीय नागरिकों को तुर्की की यात्रा न करने की सलाह देने और पर्यटन संवर्धन सहयोग वापस लेने से तुर्की की अर्थव्यवस्था पर और दबाव डाला जा सकता है। स्वदेशी जागरण मंच ने भारत के लोगों से आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और भारतीय उत्पादों को अपनाने का आह्वान किया है। मंच ने कहा कि इससे भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा। मंच ने कहा कि भारतीय व्यवसायों और उपभोक्ताओं से तुर्की के सामानों के लिए भारतीय विकल्पों को अपनाने का आग्रह करने से भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है। स्वदेशी जागरण मंच ने भारत सरकार से तुर्की के साथ राजनयिक संबंधों का पुनर्मूल्यांकन करने का आह्वान किया है। मंच ने कहा कि तुर्की के साथ राजनयिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के स्तर को कम करने और सभी द्विपक्षीय समझौतों का पुनर्मूल्यांकन करने से भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत किया जा सकता है।

साहिबगंजः भाजपा की ओर से तिरंगा यात्रा निकाली गई

संथाल संध्या

साहिबगंजः– शहर में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और देश की सेवा सम्मान में शुक्रवार को भाजपा की ओर से तिरंगा यात्रा निकाली गई। भाजपा जिलाध्यक्ष उज्ज्वल मंडल के नेतृत्व में स्थानीय गांधी चौक से पूर्वी रेलवे फाटक तक के लिए तिरंगा यात्रा निकाला गया। इस मौके पर भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव सहित कई अन्य भाजपा नेता शामिल थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कश्मीर के पहलगाम में कई सैलानियों की धर्म पूछ कर आतंकियों ने निर्मम हत्या कर दी। इसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों का हाथ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि पाकिस्तान को उसकी इस काम की पूरी सजा व जवाब मिलेगा और फिर देश के सेना ने पाकिस्तान स्थित नौ आतंकी ठिकानों को जमीदोज कर करारा जवाब दिया।

तिरंगा यात्रा में भारत माता की जय, भारत की वीर सेना की जय की घोषणा से पूरा शहर गूंज उठा। तिरंगा यात्रा में लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और देशभक्ति का जज्बा दिखाया। इस अवसर पर लोगों ने अपने देश के प्रति प्रेम और सम्मान का प्रदर्शन किया। तिरंगा यात्रा का उद्देश्य देश के प्रति प्रेम और सम्मान को बढ़ावा देना था। इस यात्रा के माध्यम से लोगों को देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास कराया गया। तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों ने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लिया।

भाजपा की ओर से आयोजित इस तिरंगा यात्रा में शहर के लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने देश के प्रति प्रेम और सम्मान को बढ़ावा देने का आह्वान किया। तिरंगा यात्रा के माध्यम से शहर में देशभक्ति का माहौल बनाया गया। तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों ने देशभक्ति का जज्बा दिखाया और अपने देश के प्रति प्रेम और सम्मान का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर लोगों ने एक दूसरे को तिरंगा झंडा देकर देशभक्ति का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा के माध्यम से शहर में एकता और अखंडता का संदेश फैलाया गया। भाजपा नेताओं ने तिरंगा यात्रा के आयोजन के लिए शहर के लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शहर के लोगों ने तिरंगा यात्रा में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और देशभक्ति का जज्बा दिखाया। भाजपा नेताओं ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा शहर के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर था।

संक्षिप्त समाचार

साहिबगंजः यूजी सेमेस्टर वन सीबीसीएस ओल्ड कोर्स की परीक्षा 28 मई से

साहिबगंजः- महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर एसआरआई रिजवी ने बताया कि सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका ने यूजी सेमेस्टर वन सीबीसीएस ओल्ड कोर्स की परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है। यह परीक्षा 28 मई से 31 मई तक आयोजित की जाएगी। सभी विषयों की परीक्षाएं द्वितीय पाली में दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार 28 मई को सभी विषयों का कोर 1, 29 मई को कोर 2, 30 मई को जनरल इलेक्टिव 1 व 31 मई को एबिलिटी एनहांसमेंट कोर्स की परीक्षाएं होगी। यह परीक्षा उन विद्यार्थियों के लिए है जो सीबीसीएस प्रणाली के अंतर्गत ओल्ड कोर्स के यूजी सेमेस्टर वन में पूर्व में अनुत्तीर्ण हो चुके हैं। दरअसल ऐसे विद्यार्थियों के लंबे समय से यह मांग रही थी कि विश्वविद्यालय उनके लिए विशेष परीक्षा का आयोजन करें ताकि वह आगे की पढ़ाई जारी रख सके। इस पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों की इस मांग को गंभीरता से लेते हुए परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन का यह निर्णय विद्यार्थियों के लिए एक बड़ी राहत की बात है। वहीं विद्यार्थियों ने इस पर महाविद्यालय प्रशासन व विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। विद्यार्थियों का कहना है कि इस परीक्षा के आयोजन से उन्हें आगे की पढ़ाई जारी रखने का अवसर मिलेगा। इससे उनके भविष्य में सुधार होगा और वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेंगे। इस परीक्षा को लेकर साहिबगंज महाविद्यालय में तैयारी शुरू कर दी गई है। महाविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा के आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। अब विद्यार्थियों को परीक्षा में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। महाविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे परीक्षा के लिए अच्छी तरह से तैयारी करें और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएं। महाविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे परीक्षा के दौरान सभी नियमों का पालन करें और किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि में शामिल न हों। महाविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया है कि परीक्षा के आयोजन में किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी।

तालझारी में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए वाहन जांच अभियान चलाया गया

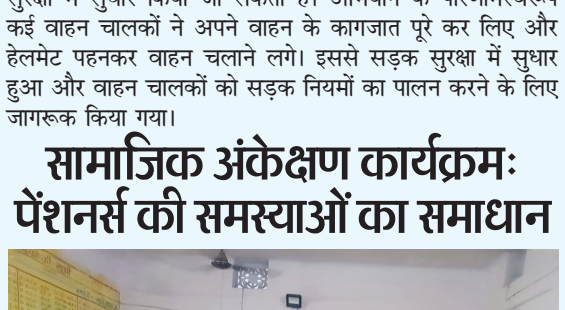

साहिबगंजः- जिला परिवहन पदाधिकारी मिथलेश चौधरी के नेतृत्व में शुक्रवार को शहीद चौक तालझारी के समीप वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच अभियान में दो पहिया वाहन सहित टोटो, ओटो एवं मोटरसाइकिल का इंश्योरेंस सहित अन्य कागजात की जांच की गई। इस दौरान बिना रजिस्ट्रेशन के कई टोटो और ओटो तथा बिना हेलमेट के मोटरसाइकिल को जब्त कर थाना लाया गया। सड़क इंजीनियर अनुज परासर ने बताया कि जिला परिवहन के निर्देश पर वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान बिना हेलमेट वाहन चला रहे चालकों से, बिना रजिस्ट्रेशन, बिना लाइसेंस एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज ना होने पर कुल बीस हजार पांच सौ छ रुपए का चालान काटा गया। वाहन चालकों से गाड़ी चलाते समय सभी आवश्यक कागजात एवं हेलमेट पहनकर वाहन चलाने की अपील भी की गई। साथी सड़क नियमों का पालन अनिवार्य रूप से करने की अपील की गई। इस दौरान एसआई अनिल कुमार यादव, एएसआई दंदुराय, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित अन्य मौजूद थे। वाहन जांच अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना और वाहन चालकों को सड़क नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करना था। इस अभियान के माध्यम से वाहन चालकों को सड़क नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। वाहन चालकों को सलाह दी गई कि वे गाड़ी चलाते समय सभी आवश्यक कागजात साथ रखें और हेलमेट पहनकर वाहन चलाएं। इससे सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है और सड़क सुरक्षा में सुधार किया जा सकता है। अभियान के परिणामस्वरूप कई वाहन चालकों ने अपने वाहन के कागजात पूरे कर लिए और हेलमेट पहनकर वाहन चलाने लगे। इससे सड़क सुरक्षा में सुधार हुआ और वाहन चालकों को सड़क नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया।

सामाजिक अंकेक्षण कार्यक्रमः पेंशनर्स की समस्याओं का समाधान

साहिबगंजः- जिले में राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत विभिन्न सामाजिक पेंशन योजना के तहत सामाजिक अंकेक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पंचायत भवन, गंगा प्रसाद पूर्व में आयोजित किया गया, जिसमें शोभनपुरभट्ठा, मठिया एवं सुखराज टोला के पेंशनर्स शामिल हुए। इस कार्यक्रम में सोशल आडिट टीम के शंकर दास और बीआरपी मोहम्मद कौसर अंसारी की टीम ने जांच की। इसके अलावा प्रखंड कार्यालय से प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी राजीव पांडेय, कंप्यूटर ऑपरेटर शक्ति रजक, पंचायत सेवक सीता कुमारी, स्वयंसेवक पिंकी कुमारी और मोहम्मद रफीक ने भी सहयोग प्रदान किया। पंचायत के मुखिया संतोष गौड़ और सभी वार्ड के वार्ड सदस्यों ने भी इस कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया। उन्होंने पेंशनर्स की समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए चर्चा की। मुखिया ने कहा कि पेंशनर्स की समस्याओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता है। इस कार्यक्रम में पेंशनर्स की विभिन्न समस्याओं का समाधान किया गया। पेंशनर्स ने अपनी समस्याओं को रखा और अधिकारियों ने उन्हें समाधान के लिए आश्वस्त किया। अधिकारियों ने कहा कि पेंशनर्स की समस्याओं का समाधान करना हमारी जिम्मेदारी है। कल गंगा प्रसाद पूर्व पंचायत के मुस्लिम टोला गांव के मदरसा में उपरोक्त टीम के द्वारा पेंशनर्स की जांच की जाएगी। इस दौरान पेंशनर्स की समस्याओं का समाधान करने और उनकी शिकायतों को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। टीम ने कहा कि वे पेंशनर्स की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से पेंशनर्स की समस्याओं का समाधान करने और पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि वे पेंशनर्स की समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तैयार हैं।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियानः उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक, दिए कई महत्वपूर्ण निर्देश

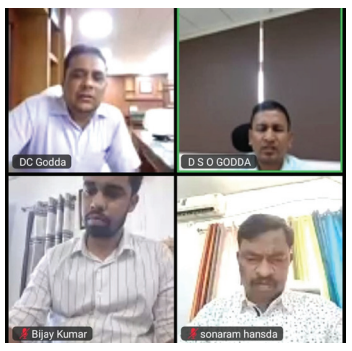

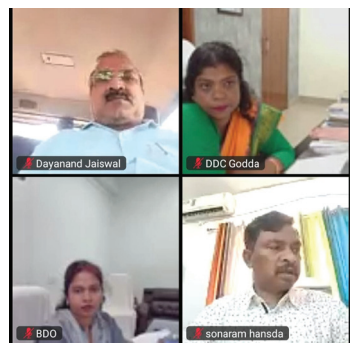

बासु कुमार की रिपोर्ट

गोड्डा :- जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त जिशान कमर की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने अभियान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सावधानीपूर्वक योजना के चयन और समन्वय के महत्व पर बल दिया। बैठक में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से जुड़े सभी योजनाओं का बिंदुवार प्रतिवेदन लिया गया। इसमें अबुआ आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पोषण अभियान, समग्र शिक्षा अभियान, पोषण वाटिका, भारत नेट, कौशल विकास, कृषि तथा जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार की योजनाओं सहित राज्य की योजनाओं की क्रमवार समीक्षा की गई।

समीक्षा के उपरांत उपायुक्त ने कई निर्देश दिए, जिनमें कच्चा और पक्का घर के सर्वे आंकड़े और पोर्टल पर प्रदर्शित हो रहे आंकड़ों में आ रही भिन्नता को दूर करने, अद्यतन सर्वे प्रतिवेदन प्रेषित करने, हाउसहोल्ड के विरुद्ध स्वीकृत अबुआ आवास का आंकड़ा एवं आवास प्लस पर किए गए सर्वे आंकड़े को प्रस्तुत करने, छूटे हुए लाभुकों को विभिन्न आवास योजना से अच्छादित करने, छूटे हुए लाभुकों के लिए प्रखंडवार व कोटिवार लक्ष्य प्रदान करने, आवास निर्माण कार्य को यथाशीघ्र पूर्ण करने, जल जीवन मिशन के अंतर्गत सभी घरों को अच्छादित करने, चयनित ग्रामों में सड़क निर्माण कार्य पूर्ण करने, सभी ग्रामों में बिजली का कनेक्शन देने, शिक्षण की व्यवस्था करने, ग्रामवार सर्वे कर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने, एलपीजी का शत प्रतिशत वितरण कर अद्यतन प्रतिवेदन समर्पित करने, ट्राइबल मल्टी मार्केट के निर्माण का प्रस्ताव उपलब्ध कराने तथा स्वाईल हेल्थ योजना से प्रत्येक परिवार को आच्छादित करने के निर्देश शामिल हैं। उपायुक्त ने बताया कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का उद्देश्य जनजातीय समूहों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार तथा सामाजिक-आर्थिक मानकों को ऊपर उठाना है। यह अभियान जनजातीय समुदाय के गांवों के उत्थान के लिए समर्पित सरकारी योजनाओं के बारे में शिक्षित करेगा, जिससे इन क्षेत्रों में सतत विकास और समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान उपविकास आयुक्त स्मिता टोप्पो, सिविल सर्जन डॉ अनंत कुमार झा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी सह जिला नजारत उपसमाहर्ता श्रवण राम, नगर प्रशासक सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी आशीष कुमार, समाज कल्याण पदाधिकारी पूर्णिमा कुमारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

देशभक्ति का जज्बा हर भारतीय के दिल में होना चाहिएः बजरंगी महतो

संथाल संध्या

साहिबगंजः- हिंदू धर्म रक्षा मंच के झारखंड प्रदेश महासचिव बजरंगी महतो ने देशभक्ति का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपनी मातृभूमि, पितृभूमि, जन्मभूमि, कर्मभूमि के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक भूमि की रक्षा के लिए भी संकल्प लेना चाहिए। बजरंगी महतो ने कहा कि देश की मिट्टी का कर्ज चुकाना कोई आसान काम नहीं है। यह तो जीवन की हर साँस में देशभक्ति का संकल्प मांगता है। उन्होंने कहा कि जिस धरती पर जन्म लिया है, उसकी रक्षा, सेवा और सम्मान करना हमारा धर्म है।

उन्होंने कहा कि सैनिक अपनी जान देकर इस कर्ज को अदा करते हैं, किसान अपने पसीने से और शिक्षक ज्ञान देकर। हर नागरिक अगर अपने हिस्से की जिम्मेदारी समझे, तो यह कर्ज धीरे-धीरे उतरता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने देश की रक्षा और सेवा के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। प्रदेश महासचिव ने आगे कहा कि देश की मिट्टी सिर्फ जमीन नहीं, यह हमारी पहचान, हमारी माँ और हमारी आत्मा है। आओ, कुछ ऐसा करें कि ये मिट्टी हम पर गर्व करे। हर एक सच्चे भारतीय को अपनी मातृभूमि की रक्षा करने का संकल्प लेना चाहिए। बजरंगी महतो ने देश के लोगों से अपील की कि वे अपनी मातृभूमि की रक्षा और सेवा के लिए संकल्प लें और अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि देशभक्ति का जज्बा हर भारतीय के दिल में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने देश की संस्कृति, परंपरा और मूल्यों की रक्षा करनी चाहिए और देश के विकास में योगदान देना चाहिए। बजरंगी महतो ने देश के लोगों से आह्वान किया कि वे देशभक्ति के जज्बे को अपने दिल में जीवंत रखें और देश की रक्षा और सेवा के लिए हमेशा तैयार रहें। उन्होंने कहा कि देश की मिट्टी की रक्षा करना हमारा सबसे बड़ा धर्म है और हमें इस धर्म को निभाने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।

महागामा में पेयजल संकटः नगर पंचायत को सौंपा गया आवेदन

बासु कुमार की रिपोर्ट

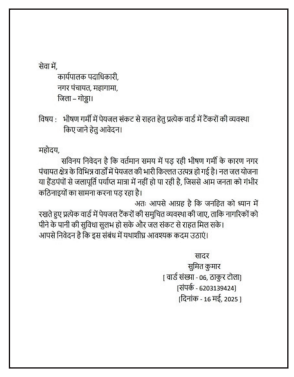

सेवा में,
कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर पंचायत, महागामा,
जिला - गोड्डा।

विषय : भीषण गर्मी में पेयजल संकट से राहत हेतु प्रत्येक वार्ड में टैंकरों की व्यवस्था किए जाने हेतु आवेदन।

महोदय,
सविनय निवेदन है कि वर्तमान समय में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में पेयजल की भारी किल्लत उत्पन्न हो गई है। नल जल योजना या हैंडपंपों से जलापूर्ति पर्याप्त मात्रा में नहीं हो पा रही है, जिससे आम जनता को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

अतः आपसे आग्रह है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक वार्ड में पेयजल टैंकरों की सुनिश्चित व्यवस्था की जाए, ताकि ग्रामीणों को पीने के पानी की सुविधा सुलभ हो सके और जल संकट से राहत मिल सके। आपसे निवेदन है कि इस संबंध में यथाशीघ्र आवश्यक कदम उठाएं।

सादर
सुमित कुमार
[वार्ड संख्या - 06, ठाकुर टोला]
(संपर्क - 6203139424)
[दिनांक - 16 मई, 2025]

गोड्डा/महागामाः- जिले के महागामा में भीषण गर्मी के कारण उत्पन्न हुए पेयजल संकट को लेकर विद्यार्थी परिषद ने नगर पंचायत महागामा को आवेदन सौंपा है। आवेदन में मांग की गई है कि नगर पंचायत क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में तत्काल प्रभाव से पेयजल टैंकरों की व्यवस्था की जाए, जिससे आम जनता को हो रही भारी परेशानी से राहत मिल सके। विभाग संयोजक सुमित कुमार ने कहा कि महागामा क्षेत्र में तापमान में लगातार वृद्धि के कारण कई वार्डों में जलस्तर नीचे चला गया है, जिससे स्थानीय निवासियों को पीने के पानी की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए नगर प्रशासन से आग्रह किया गया है कि जल संकट से जूझ रहे क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखते हुए आवश्यक कदम उठाए जाएँ तथा नियमित अंतराल पर टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

विभाग संयोजक सुमित कुमार ने कहा कि जनहित में नगर पंचायत से शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत को आवेदन सौंपने के साथ-साथ नगर प्रशासन से भी आग्रह किया गया है कि वह इस गंभीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कदम उठाए। आवेदन में कहा गया है कि महागामा क्षेत्र में पेयजल संकट की स्थिति गंभीर है और इसको देखते हुए नगर पंचायत को तत्काल प्रभाव से पेयजल टैंकरों की व्यवस्था करनी चाहिए। आवेदन में यह भी कहा गया है कि नगर पंचायत को जल संकट से जूझ रहे क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखते हुए आवश्यक कदम उठाने चाहिए और नियमित अंतराल पर टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए।

प्रतिनिधिमंडल में अनीश केशरी, अजय कुमार, मनीष कुमार सहित अन्य स्थानीय युवा शामिल रहे। इन लोगों ने नगर पंचायत को आवेदन सौंपने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नगर पंचायत महागामा से अनुरोध है कि वह इस गंभीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कदम उठाए और नगर पंचायत क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में तत्काल प्रभाव से पेयजल टैंकरों की व्यवस्था करे। नगर पंचायत से यह भी अनुरोध है कि वह जल संकट से जूझ रहे क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखते हुए आवश्यक कदम उठाए और नियमित अंतराल पर टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करे। अब देखना यह है कि नगर पंचायत महागामा इस आवेदन पर क्या कार्रवाई करती है और महागामा क्षेत्र में पेयजल संकट की स्थिति को देखते हुए क्या कदम उठाती है। स्थानीय निवासियों को उम्मीद है कि नगर पंचायत उनकी समस्याओं का समाधान करेगी और उन्हें पेयजल की सुविधा प्रदान करेगी।

सिंधीपाड़ा में पानी की समस्या का समाधान करने के लिए वंशराज गोप ने की मांग

संथाल संध्या

पाकुड़ :- शहर के वार्ड नंबर 12 सिंधीपाड़ा में गहराती जल समस्या को देखते हुए कांग्रेस नगर अध्यक्ष वंशराज गोप ने कार्यपालक पदाधिकारी श्री अमरेंद्र चौधरी से मुलाकात की। उन्होंने मांग रखी कि भीषण गर्मी एवं तेजी से घटते हुए जल स्तर को देखते हुए 1000 फिट की गहराई तक डीप बोरिंग कराई जाए। वंशराज गोप ने कहा कि सिंधीपाड़ा क्षेत्र में 300/400 फिट बोरिंग आम लोगों द्वारा कराई गई है जो तत्कालीन समय में फेल हो चुकी है। इस बोरिंग से लगभग 1500 से भी ज्यादा लोग लाभान्वित होते हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे फाटक से होते हुए रेलवे कॉलोनी खजान सिंग गली एवं मिशन स्कूल के समीप तक का एरिया है जो घनी आबादी वाला क्षेत्र है। इसलिए बोरिंग को 1000 फिट तक करवाया जाए, ताकि लोगों को भविष्य में बार-बार इस समस्या से न जूझना पड़े।

वंशराज गोप ने मांग की कि जब तक बोरिंग सुचारू रूप से संचालित न हो जाए, तब तक आम लोगों को टैंकर के द्वारा पानी मुहैया करवाया जाए। इसके साथ ही शहरी जलापूर्ति योजना को भी जल्द से जल्द चालू करवाया जाए। उन्होंने नगरपालिका क्षेत्र में पानी मुहैया करवाने हेतु और अधिक टैंकर एवं ट्रैक्टर खरीदने की मांग की, ताकि आम लोगों को इस जटिल समस्या से राहत मिल सके। कार्यपालक पदाधिकारी श्री अमरेंद्र चौधरी ने कहा कि जल्द ही इन सभी समस्याओं को मूर्त रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शनिवार को बोरिंग का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने वंशराज गोप को आश्वस्त किया कि नगरपालिका क्षेत्र में पानी की समस्या का समाधान करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

वंशराज गोप ने आम लोगों से वाटर हार्वेस्टिंग करवाने की अपील की। उन्होंने कहा कि भविष्य में जल संकट न हो इसके लिए वाटर हार्वेस्टिंग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वाटर हार्वेस्टिंग से न केवल जल स्तर बढ़ेगा, बल्कि भविष्य में पानी की समस्या भी नहीं होगी। वंशराज गोप ने आम लोगों से अपील की कि वे वाटर हार्वेस्टिंग को अपने घरों में लगवाएं और जल संचयन करें। उन्होंने कहा कि जल संचयन से हम भविष्य में जल संकट से बच सकते हैं। उन्होंने आम लोगों से नगरपालिका के साथ सहयोग करने की अपील की, ताकि नगरपालिका क्षेत्र में पानी की समस्या का समाधान किया जा सके।

जदयू पार्टी ने जनता की समस्याओं का समाधान करने का किया संकल्प

बासु कुमार की रिपोर्ट

गोड्डा/महागामाः- जिले के राजेंद्र स्टेडियम के समीप जदयू पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पार्टी को आगे बढ़ाने और संगठन का विस्तार करना था। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में जदयू पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष निर्मल कुमार दास, जिला अध्यक्ष चंद्रधर सिंह चुन्नू, जिला महासचिव मनोज सिंह फौजी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष पंकज दास और रंजन शुक्ला सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे। इन नेताओं ने बैठक में अपनी बात रखी और पार्टी को मजबूत करने के लिए सुझाव दिए। बैठक में बेरोजगारी, भीषण गर्मी, पानी की समस्या और अनुमंडल क्षेत्र की अन्य कमियों पर चर्चा की गई। प्रखंड अध्यक्ष निर्मल कुमार दास ने कहा कि अगर इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो जनता के बीच पार्टी की छवि खराब हो सकती है। उन्होंने कहा कि पार्टी को जनता की समस्याओं का समाधान करने के लिए संघर्ष करना होगा।

बैठक में यह भी चर्चा की गई कि आम जनता अपनी समस्याओं को लेकर परेशान है, लेकिन पदाधिकारी उनकी बात नहीं सुनते हैं। प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि अगर ऐसा ही हालत रहा, तो पार्टी को मजबूरन आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि पार्टी जनता के साथ खड़ी है और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। बैठक में पार्टी की आगे की रणनीति पर भी चर्चा की गई। पार्टी नेताओं ने कहा कि वे जनता की समस्याओं का समाधान करने के लिए संघर्ष करेंगे और पदाधिकारियों को उनकी जिम्मेदारी का एहसास कराएंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का समाधान करना है और इसके लिए पार्टी हर संभव प्रयास करेगी। बैठक में पार्टी ने जनता से अपील की कि वे अपनी समस्याओं को लेकर पार्टी के पास आएं। पार्टी नेताओं ने कहा कि वे जनता की समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तैयार हैं और उनकी बात सुनने के लिए हमेशा तैयार हैं। अब देखना यह होगा कि पार्टी की इस चेतावनी का कितना असर पदाधिकारियों पर पड़ता है।

जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठकः उपायुक्त ने दिए कई महत्वपूर्ण निर्देश, आधार सेवाओं में सुधार पर दिया जोर

बासु कुमार की रिपोर्ट

गोड्डा :- समाहरणालय स्थित कार्यालय वेश्म में जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त जिशान कमर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने जिले में उपलब्ध आधार सेवाओं की प्रगति एवं आधार सेवा केंद्रों का सुचारू रूप से संचालन के बिंदु पर समीक्षा की। बैठक में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के अधिकारियों ने बताया कि जिले के सभी प्रखंडों एवं बैंकों में आधार सेवा केंद्र नियमित रूप से संचालित किए जा रहे हैं। उपायुक्त ने आयुष्मान कार्ड बनाने में तेजी लाने, त्रुटि पूर्ण आधार कार्ड का निराकरण करने, आधार कार्ड बनाने में शीघ्रता लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आधार सेवाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। उपायुक्त ने प्रज्ञा केन्द्रों, पंचायत भवनों एवं अन्य भवनों में संचालित आधार केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूलों, डाकघरों तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों आदि भवनों में आधार केन्द्र नियमित रूप से चलाने के निर्देश भी दिए।

उपायुक्त ने कहा कि आधार सेवाओं की गुणवत्ता और गति में सुधार के लिए नियमित रूप से समीक्षा की जाएगी। बैठक में अपर समाहर्ता प्रेमलता मुर्मू, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी पूर्णिमा कुमारी, जिला शिक्षा अधीक्षक दीपक कुमार, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी प्रमोद कुमार, एलडीएम गोड्डा राजकुमार सहित कई अधिकारी उपस्थित थे। सभी अधिकारियों को अपने-अपने विभागों में आधार सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

संपादकीय

आत्मज्ञान के लिए पात्रता

एक बार की बात है। एक धनिक सेठ एक पहुंचे हुए संत के पास पहुंचा और उनसे बोला, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना का प्रयास करता हूं। परंतु मेरा मन ध्यान में एकाग्र ही नहीं हो पाता। आप मुझे मेरे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। धनिक सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और वहां पर तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ कि एक पहुंचे हुए संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए अच्छे-अच्छे पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका बहुत स्वागत सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के पात्र में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। यह देखकर वह बोला, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो कूड़ा-करकट भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, अपितु वह भी कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। सबसे पहले पात्रता विकसित करो, तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे।

अरुणाचली चाल है पाक के हक में चीन की बौखलाहट

ललित गर्ग

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद चीन बौखला गया है। पाकिस्तान की करारी हार एवं उसे दिये गये सबक को चीन पचा नहीं पा रहा है। चीन-पाक की सदाबहार दोस्ती के उदाहरण बार-बार सामने आते रहे हैं, हाल ही में सैन्य टकराव के दौरान चीन ने प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि सैन्य व आर्थिक मदद भी की। ऐसे ही संवेदनशील समय पर चीन ने भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने एवं अरुणाचल के 27 स्थानों को चीनी नाम देने की कुचेष्टा की है। उसकी यह नापाक कोशिश भी पाक के साथ खड़े होने का ही प्रयास है। यह ध्यान रहे कि वह अरुणाचल एवं उसके अनेक क्षेत्रों, इनमें आवासीय क्षेत्रों के साथ पहाड़ और नदियां भी हैं, इनको पहले ही चीनी नाम दे चुका है। भारत सरकार ने अरुणाचल के भीतरी स्थानों को नए नाम देने के चीन के निराधार और बेतुके प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए इसकी निन्दा की है। चीन अपनी दोगली नीति, षडयंत्रकारी हरकतों एवं विस्तारवादी मंशा से कभी बाज नहीं आता। वह हमेशा कोई ऐसी कुचेष्टा करता ही रहता है जिससे भारत चीन बॉर्डर पर अक्सर तनाव रहता है। हालांकि भारत ने दो टूक जवाब देते हुए साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह चीनी दुष्प्रचार के सिवाय कुछ नहीं है। चीन की इस हरकत ने यह साफ कर दिया है कि उससे संबंध सुधारने की भारत की तरफ से कितनी ही पहल हो जाए, वह सुधरने वाला नहीं है। निश्चित ही चीन की ये दकियानूसी हरकतें पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं, यह उसके दुस्साहस एवं उच्छृंखलता का द्योतक है। नाम बदलने से इस स्पष्ट और निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदला जा सकता कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। इस तरह की करतूतों, बचकानी एवं बेतूकी हरकतों से भारत को उकसाना चाहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की भी कोशिश करता रहा है। शायद उसने यह मुगालता पाल लिया है कि ताजा घटनाक्रम से भारत दबाव में आ जाएगा लेकिन भारत अब ऐसे किसी दबाव में न तो आयेगा, बल्कि इनका सक्षम एवं तीक्ष्ण तरीके से जबाव देने में भारत सक्षम है। चीन का अधिक बौखलाहट एवं खीज का बड़ा कारण भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल आदि की इस कदर पोल खोल कर रख दी कि अब उसके लिए दुनिया के निर्धन देशों को अपने दोयम दर्जे एवं घटिसा किस्म के चीनी हथियार बेचना कठिन होगा। पाकिस्तान ने जिस चीनी मिसाइल का इस्तेमाल किया था, उसे भारत ने नाकाम कर दिया। चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता है। चीन भरोसे लायक देश नहीं है, चीन के प्रति कठोर रवैया जरूरी है। निस्संदेह नाम बदलने जैसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग, सावधान व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। भारत को चीन के साथ अपनी तिब्बत नीति पर भी नए सिरे से विचार करना होगा। पिछले तीसरे साल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के अनेक स्थानों के नाम बदले हैं। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। जिसमें उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। चीन की विस्तारवादी नीति भारत सहित सम्पूर्ण एशिया के लिये ही नहीं, पूरे विश्व के लिए बड़ा खतरा है। चीन भारत की बढ़ती ताकत एवं रूतबे से परेशान है। भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत चीन को चुभती रही है, इसलिए वह चोरी, चालाकी और चालबाजी से भारत को कमजोर करने की चालें चलता रहता है। दरअसल, सीमाओं को लेकर नित नए विवादास्पद तथ्य लाना चीन की फितरत में शामिल है। अरुणाचल प्रदेश ही नहीं, अक्साई चिन, ताइवान और विवादित दक्षिण चीन सागर पर भी चीन अपना दावा जताता रहा है। शातिर और चालबाज चीन अरुणाचल के किसी दस्तावेज पर भारत का नाम स्वीकार नहीं करता। कुछ मौकों पर तो वह अरुणाचल को अपने नक्शे में शामिल कर दुनिया के सामने साबित करने की कोशिश कर चुका है कि वह उसका इलाका है। मगर भारत की तरफ से मिले सख्त प्रतिरोध की

वजह, सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ से उसे हर बार मुंह की खानी पड़ी है। भारत को अनेक मोर्चों पर चीन को आडे हाथ लेना होगा, सबसे जरूरी है चीन सामान का बहिष्कार, इस पर सरकार के साथ हमारे उद्योग जगत एवं आम जनता को भी गंभीरता से सोचना होगा। ऐसा करके ही चीन की कमर को तोड़ा जा सकता है, आज दुनिया के अनेक देश चीनी सामान का बहिष्कार कर रहे हैं, हमें भी कठोर कदम उठाने होंगे। भारत ने जब भी पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में डलवाने का प्रयास किया, चीन संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो का प्रयोग कर उसे रोकने की कोशिश करता रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन करती रही है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा एवं ढोंग ही करता है। भारत एवं चीन दोनों देशों के बीच संबंधों में आने वाली तल्खी की बड़ी वजह भी चीन की नीयत में खोट, उच्छृंखलता एवं अनुशासनहीनता ही है। चीन ने एक बार फिर अपनी इस हरकत से भारत के प्रति शत्रुता को ही जाहिर किया है। भारत के साथ चीन का बर्ताव हमेशा दोगला एवं द्वेषपूर्ण रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। जाहिर बात है कि चीन ने ऐसा न केवल चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिये भी किया है। अपनी आर्थिक शक्ति के नशे में चूर अहंकारी चीन अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों को जिस तरह धता बता रहा है, उससे वह विश्व व्यवस्था के लिए खतरा ही बन रहा है। अब यह भी किसी से छिपा नहीं कि वह गरीब देशों को किस तरह कर्ज के जाल में फंसाकर उनका शोषण कर रहा है। चीन भूल गया है कि अब भारत 1962 वाला भारत नहीं है, यह नया भारत है और आज का भारत चीन को मिट्टी में मिलाने की ताकत रखता है। भारत की रणनीति साफ है, स्पष्ट है। आज का भारत समझने और समझाने की नीति पर विश्वास करता है लेकिन अगर हमें आजमाने की कोशिश होती है तो जवाब भी उतना ही प्रचंड देने में वह समर्थ हैं। भारतीय सेना में सरहदें बदल देने की क्षमता है, दुश्मनों को इरादों को ध्वस्त करने का मादा है इसलिये चीन अपने नक्शे में भले ही छेड़छाड़ करता रहे, लेकिन भारत की भूमि पर कब्जाने की उसकी मंशा अब कभी साकार नहीं होगी।

इस दुनिया में आजाद कौन है? वह व्यक्ति जो खुद पर नियंत्रण रखता है।

- होरेस

बड़ा सोचे, जल्दी सोचे, आगे सोचे विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है।

- धीरूभाई अंबानी

आज का राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि पंचमी, शनिवासरे, पू.षा. नक्षत्रे, शुभ योग, कौलव करणे, धनु की चंद्रमा, उग्र कर्म, तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, शिक्षक-शिक्षाविद्, शिक्षाशास्त्री, उद्यमी, लेक्चरार, प्रोफेसर तथा व्यवसायी होगा।

मेष राशि :- तनाव पूर्ण वातावरण से बचिये, स्त्री को शारीरिक कष्ट, मानसिक बेचैनी।

वृष राशि :- अधिकारियों के समर्थन से सुख होवे, कार्यगति विशेष अनुकूल होवेगी।

मिथुन राशि :- भोग-ऐश्वर्य प्राप्त हो, तनाव व कष्ट होगा, विवादग्रस्त व तनावग्रस्त होने से बचिये।

कर्क राशि :- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद हो, बिगड़े कार्य अवश्य बन जायेंगे, कार्य बना लेवें।

सिंह राशि :- परिश्रम सफल हो, व्यवस्था मंद हो, आर्थिक योजना पूर्ण अवश्य ही होवेंगी।

कन्या राशि :- कार्य-व्यवस्था गति सामान्य रहे, व्यर्थ परिश्रम, कार्यगति मंद हो।

तुला राशि :- किसी दुर्घटना से बचें, चोट-चपेट आदि का भय होवे, उत्साह कम होगा।

वृश्चिक राशि :- कार्यगति अनुकूल रहे, लाभांवित कार्य-योजना बनेगी, कार्य बाधा मुक्त होंगे।

धनु राशि :- कुछ प्रतिष्ठा के साधन बनें किन्तु हाथ में कुछ न लगे, कार्य अवरोध होगा।

मकर राशि :- अधिकारी वर्ग से तनाव व क्लेश होगा, मानसिक अशांति, कार्य बनेगा।

कुंभ राशि :- मनोबल बनाये रखें, हाथ में कुछ न लगे किन्तु नया कार्य बना ही लेंगे।

मीन राशि :- दैनिक कार्यगति उत्तम, कुटुम्ब में सुख समय उत्तम बनेगा, ध्यान रखें।

अब सुप्रीमकोर्ट से राष्ट्रपति मुर्मू की भिडंत

राकेश अचल

लगता है कि सरकार और भाजपा के बडे नेता सुप्रीमकोर्ट को चैन से नही बैठने देंगे। सुप्रीमकोर्ट से पहले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और बाद में उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड ने मुठभेड की थी। दुबे ने सीजेआई को देश में चल रहे तमाम गृहयुद्धों के लिए जिम्मेदार ठहराया था और धनकड ने राज्यपालों के अधिकारों को सीमित करने पर आपत्ति जताई थी। अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी सुप्रीम कोर्ट के 8 अप्रैल के ऐतिहासिक फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई है। राष्ट्रपति ने इस फैसले को संवैधानिक मूल्यों और व्यवस्थाओं के विपरीत बताया और इसे संवैधानिक सीमाओं का अतिक्रमण करार दिया। संविधान की अनुच्छेद 143(1) के तहत राष्ट्रपति ने सर्वोच्च न्यायालय से 14 संवैधानिक प्रश्नों पर राय मांगी है। यह प्रावधान बहुत कम उपयोग में आता है, लेकिन केंद्र सरकार और राष्ट्रपति ने इसे इसलिए चुना क्योंकि उन्हें लगता है कि समीक्षा याचिका उसी पीठ के समक्ष जाएगी जिसने मूल निर्णय दिया और सकारात्मक परिणाम की संभावना कम है। सुप्रीम कोर्ट की जिस पीठ ने फैसला सुनाया था उसमें जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और आर. महादेवन भी शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था, राज्यपाल को किसी विधेयक पर तीन महीने के भीतर निर्णय लेना होगा। इस समय सीमा में या तो स्वीकृति दें या पुनर्विचार हेतु लौटा दें। यदि विधानसभा पुनः विधेयक पारित करती है तो राज्यपाल को एक महीने मे उसकी स्वीकृति देनी होगी। यदि कोई विधेयक राष्ट्रपति के पास भेजा गया हो तो राष्ट्रपति को भी तीन महीने के भीतर निर्णय लेना होगा। राष्ट्रपति नेश्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने इस फैसले को संविधान की भावना के प्रतिकूल बताया और कहा कि अनुच्छेद 200 और 201 में ऐसा कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है। राष्ट्रपति ने कहा, "संविधान में राष्ट्रपति या राज्यपाल के विवेकाधीन निर्णय के लिए किसी समय-सीमा का उल्लेख नहीं है। यह निर्णय संविधान के संघीय ढांचे, कानूनों की एकरूपता, राष्ट्र की सुरक्षा और शक्तियों के पृथक्करण जैसे बहुआयामी विचारों पर आधारित होते हैं।" सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि यदि विधेयक तय समय तक लंबित रहे तो उसे मंजूरी प्राप्त माना जाएगा। राष्ट्रपति ने इस अवधारणा को सिरे से खारिज किया और कहा, "मंजूर प्राप्त की अवधारणा संवैधानिक व्यवस्था के विरुद्ध है और राष्ट्रपति तथा राज्यपाल की शक्तियों को सीमित करती है।" उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जब संविधान स्पष्ट रूप से राष्ट्रपति को किसी विधेयक पर निर्णय लेने का विवेकाधिकार देता है तो फिर सुप्रीम कोर्ट इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप कैसे कर सकता। राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट की अनुच्छेद 142 के तहत की गई व्याख्या और शक्तियों के प्रयोग पर भी सवाल उठाए हैं। इसके तहत न्यायालय को पूर्ण न्याय करने का अधिकार मिलता है। राष्ट्रपति ने कहा कि जहां संविधान या कानून में स्पष्ट व्यवस्था मौजूद है वहां धारा 142 का प्रयोग करना संवैधानिक असंतुलन पैदा कर सकता है।परोक्ष रुप से राष्ट्पति की चिंता पूरी भाजपाऔर संघ की चिंता है। हमेशा मौन रहने वाली राष्ट्रपति मुर्मू ने एक और महत्वपूर्ण सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारें संघीय मुद्दों पर अनुच्छेद 131 (केंद्र-राज्य विवाद) के बजाय अनुच्छेद 32 (नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा) का उपयोग क्यों कर रही हैं। उन्होंने कहा, "राज्य सरकारें उन मुद्दों पर रिट याचिकाओं के माध्यम से सीधे सुप्रीम कोर्ट आ रही हैं। यह संविधान के अनुच्छेद 131 के प्रावधानों को कमजोर करता है।" सवाल ये है कि सरकार एक एककर सभी संवैधानिक प्रमुखों का इस्तेमाल सुप्रीमकोर्ट से टकराने के लिए क्यों कर रही है? हमारी राष्ट्रपति मानें या न मानें हैं तो रबर स्टेंप ही। हां उन्हे हस्तक्षेप का अधिकार संविधान ने जरूर दिया है। उनके पास सरकारी विधेयकों को लौटाने का हक भी है। इस हक का इस्तेमाल दही- मिश्री खिलाने वाले हाथ कभी नहीं करते। ज्ञानी जैल सिंह जैसे राष्ट्रपति जरूर सुप्रीमकोर्ट से टकराने के बजाय सरकार से टकराने का साहस रखते थे। बहरहाल बात ये है कि क्या छह महीने के लिए देश के मुख्य न्यायाधीश बने जस्टिस बीआर गवई साहब राष्ट्रपति महोदया की आपत्तियों का निराकरण कर पाएंगे या फिर गेंद छह माह बाद आने वाले अपने उत्तराधिकारी के पाले में डालकर बच निकलेंगे?

भारत में ज़हरीली शराब रोकने ऑपरेशन सिंदूर-2 की सख्त ज़रूरत!

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के हर देश के शौकीनों के लिए शराब को एक अमृत रस के रूप में टॉनिक की उपमा दी जाती है। खुशी के अनेकों मौकों पर शराब दावत को देखा जा सकता है। मैं ग्राउंड रिपोर्टिंग में देखा हूं कि, नाम मात्र की परमिशन ज़रूर होती है परंतु नियमों विनिमयमों कानूनों की धज्जियां जवाबदेही रखने वालों के नाक के नीचे उड़ती है, बंद लिफाफा होटों पर टेप और आखों पर पट्टी का काम करता है, यह तो हाई प्रोफाइल समिति का उदाहरण है,ठीक वैसे हीबॉटम स्तर पर दारू भट्ठियों, मोहल्ला चौकों,में नंबर दो की तथाकथित नकली एथोनल का उपयोग कर बनाई गई शराब का सेवन मध्यम वर्ग, गरीब वर्ग, मजदूर वर्ग करते हैं, यहां भी इन्हीं जवाबदेहों के होटों पर लिफाफे की टेप और आँखों पर पट्टी लगा दी जाती है, जिनके परिणाम स्वरुप पंजाब में बटाला तरनतारन संगरूर जैसे कांड तथा भारत के अनेकों राज्यों में अनेकों केस होते रहते हैं जिनकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहेहैं,क्योंकि दिनांक 13 मई 2025 को पंजाब अमृतसर के पास मजीठा गांव में जहरीली शराब पीने से देर रात्रि 12 तक मेरी जानकारी के अनुसार 21 लोगों की मृत्यु की खबर मीडिया मेंआ चुकी थी। सीएम साहब ने मृत्को के परिवार वालों को 10 लाख रुपयों के मुआवजे की घोषणा की है,व घटना से जुड़े 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (हत्या) व 105 (गैरइरादतन हत्या) के साथ आबकारी अधिनियम,अनुसूचित जाति जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम संबंधी धाराएं लगाई गई है। परंतु मैं एक अधिवक्ता होने के नाते देखता रहा हूं कि नकली जहरीली शराब से जुड़े परिवार वालों के लिए मुआवज़े की घोषणा, आरोपियों की गिरफ्तारी, जमानत, निचली अदालत से ऊपरी कोर्ट तक प्रक्रिया चलती है, तबतक पीड़ित परिवार वालों की जिंदगी शायद समाप्त हो जाती होगी? चूँकि भारत में जहरीली शराब रोकने ऑपरेशन सिंदूर-2 की सख़्त ज़रूरत है, तथा सभी राज्यों में एक कॉमन बात कि,नकली शराब से जुड़े परिवार वालों के लिए मुआवजे की घोषणा, आरोपियों की गिरफ्तारी,जमानत बॉटम से ऊपरी कोर्ट तक वर्षों तक कानूनी प्रक्रिया चलती है तब तक पीड़ित परिवार वालों की जिंदगी शायद समाप्त हो जाती है? इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत में जहरीली शराब का नरसंहार आख़िर कब तक? मृतकों के घर क़े चूल्हे उजड़ बन रहे मातमगाह, कब जागेगी सरकार? बता दें इस आर्टिकल में दी गई जानकारी की सटीकता का प्रमाण नहीं है, क्योंकि यह इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से उठाई गई है। साथियों बात अगर हम दिनांक 13 मई 2025 को जहरीली शराब सेवन कांड की करें तो, अमृतसरःपंजाब के अमृतसर जिले के मजीठा ब्लॉक में जहरीली शराब पीने से 21 लोगों की मौत हो गई है, जिससे इलाके में मातम छा गया है, यह घटना ब्लॉक के भंगाली कलां,थारीवाल संघा और मरारी कलां जैसे गांवों में हुई। जिला प्रशासन ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है।पंजाब सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि इस मामले में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं और 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, उन चार आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है जो सप्लायरों से शराब खरीदकर गांवों में बेच रहे थे, इस घटना को लेकर पंजाब पुलिस के महानिदेशक(डीजीपी) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि,दुर्भाग्यपूर्ण घटना में नकली शराब के कारण हुई दुखद मौतों के बाद पंजाब पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की, जिनमें मुख्य सरगना और कई स्थानीय विक्रेता शामिल हैं, ऑनलाइन खरीदे गए मेथनॉल का इस्तेमाल नकली शराब बनाने में किया गया था। पूरे मामले की जांच चल रहीहै, ताकि कार्य प्रणाली का पता लगाया जाए और सभी दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाए। साथियों बात अगर हम भारत में जहरीली शराब क़े कहरः की करें तो,2014 से 2022 तक किस साल कितनी मौतें हुई, (1) 2014ः अवैध शराब के सेवन से 1,699 मौतें हुईं। (2) 2015ः 1,624 घटनाओं में 1,522 लोगों की जान गई. महाराष्ट्र (278), पुडुचेरी (149) और मध्य प्रदेश (246) में सबसे ज़्यादा मौतें हुईं। (3) 2016ः 1,073 घटनाओं में 1,054 मौतें दर्ज की गईं. मध्य प्रदेश (184) और हरियाणा (169) में सबसे ज़्यादा लोगों ने अपनी जान गंवाई। (4) 2017ः 1,497 घटनाओं में 1,510 मौतें हुईं. कर्नाटक (256), मध्य प्रदेश (216) और आंध्र प्रदेश (183) में हालात गंभीर रहे। (5) 2018ः 1,346 घटनाओं में 1,365 लोगों की जान गई,मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (218) में सबसे ज़्यादा मामले सामने आए। (6) 2019ः 1,141 घटनाओं में 1,296 मौतें हुईं. मध्य प्रदेश (410) और कर्नाटक (268) में स्थिति चिंताजनक बनी रही। (7) 2020ः 931 घटनाओं में 947 लोगों की जान गई. मध्य प्रदेश (214) और झारखंड (139) में सबसे ज़्यादा मौतें हुईं। (8) 2021ः 708 घटनाओं में 782 मौतें हुईं। उत्तर प्रदेश (137) और पंजाब (127) में सबसे ज़्यादा मामले दर्ज किए गए। (9) 2022ः 507 घटनाओं में 617 मौतें हुईं। बिहार (134) और कर्नाटक (98) में अवैध शराब का कहर जारी रहा। साथियों बात अगर हम मजीठा कांड में लगाई गई भारतीय न्याय संहिता की धाराओं को समझने की करें तो,भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में धारा 103 हत्या के लिए सजा का प्रावधान करती है, जबकि धारा 105 गैर- इरादतन हत्या के लिए सजा का प्रावधान करती है। धारा 103 के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति हत्या करता है, तो उसे मृत्युदंड या आजीवन कारावास और जुर्माना लगाया जा सकता है। धारा 105 के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति हत्या की श्रेणी में न आने वाला गैर-इरादतन हत्या करता है, तो उसे आजीवन कारावास या 5 से 10 वर्ष का कारावास और जुर्माना लगाया जा सकता है। धारा 103ः हत्या के लिए सजा (1) यदि कोई व्यक्ति हत्या करता है, तो उसे मृत्युदंड या आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी और वह जुर्माने से भी दंडनीय होगा। (2) यदि पांच या अधिक व्यक्तियों का समूह नस्ल, जाति या समुदाय, लिंग, जन्म स्थान, भाषा, व्यक्तिगत विश्वास या किसी अन्य समान आधार पर हत्या करता है, तो ऐसे समूह के प्रत्येक सदस्यको मृत्युदंड या आजीवनकारावास की सजा दी जाएगी और जुर्माना भी देना होगा। साथियों बात अगर हम अवैध शराब बनने को समझने की करें तो, कैसे बनती है अवैध शराब?कच्ची शराब बनाने के लिए मुख्य रूप से गुड़, पानी और यूरिया का इस्तेमाल किया जाता है, इसमें कई खतरनाक केमिकल भी मिलाए जाते हैं, गुड़ को सड़ाने के लिए ऑक्सीटोसिन का इस्तेमाल किया जाता है, अधिक नशा लाने के लिए नौसादर और यूरिया भी मिलाया जाता है, ये सभी चीजें मानव शरीर के लिए अत्यंत हानिकारक हैं।यूरिया,ऑक्सी टोसिन, गुड़ और पानी को मिलाकर जब फर्मेंटेशन किया जाता है ।

सूडोकु नवताल- 7432

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7431 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

ईमानदारी से कमाया पैसा बरकत देता है

नरेन्द्र भारती

कहते है ईमानदारी से कमाया पैसा बरकत देता है।ईमानदार आदमी अपने मानवता के लिए किए गए पुनीत कार्यो से अमर हो जाता है।समाज में ईमानदारों की मिसालें दी जाती है। ईमानदारी के रास्तें में मुसीबते बहुत है लेकिन ईमानदारी से किए गए कार्यों के बाद जो खुशी होती है उसे करोडों रुपयों से भी हासिल नहीं किया जा सकता।ईमानदार आदमी पहले दुसरों का भला सोचता है कि कौन असली जरुरतमंद है।ईमानदार समाज के हित में अपना जीवन सर्मपित कर देता है।ईमानदारी कर कोई सानी नहीं है।ईमानदारी युंगों-यंगों तक रहती है।ईमानदारी की कभी हार नहीं होती। ईमानदारी एक अच्छी नीति है।आज ईमानदार लोगों की खिल्ली उडाई जाती है।ईमानदारों के खिलाफ पड़यंन्त्र रचे जाते है मगर ईमानदारों पर आंच नहीं आती।ईमानदारी की हमेशा जीत हुई है।यह एक शाश्वत सत्य है। ईमानदार आदमी द्वारा समाज के लिए निस्वार्थ भाव से किए गए महान कार्यो के लिए समाज उसे युगों युगों तक याद रखता है। वर्तमान समाज में ईमानदारी पर बेईमानी हावी होती जा रही है मगर बेईमानी औधें मुह गिर जाती है।सांच को आंच नहीं आती।ईश्वर भी ईमानदारों का साथ देता है। समाज की रचना के लिए सादगीपूर्ण जीवन जीने की कोशिश करनी चाहिए।मानव को हमेशा समानता व एक समान व्यवहार करना चाहिए। क्योंकि जो आदमी भेदभाव करता है वह मानवता के नाम पर कलंक है।कहते है कि व्यक्ति को अपना अतीत नहीं भूलना चाहिए भले ही आदमी कितनी ही उंचाईयां छू लें।एक कहावत है कि मानव कितना भी अमीर हो जाए वह अपना अतीत नहीं खरीद सकता? आज दुनिया में कुछ ऐसे लोग है जो कभी दाने-दाने को मोहताज थे। मानव को सदा अच्छे कर्म करने चाहिए क्योंकि अगर तुम अच्छा करोगे अच्छाई ही मिलेगी दुनिया युगों-युगों तक याद रखेगीं।अभावग्रस्त लोगों की सहायता करनी चाहिए।भूखे को रोटी खिलाओं,जरुरतमंदो की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है।हमेशा अच्छा करोगे तो अमर हो जाओगे। अगर तुम किसी का अच्छा नहीं कर सकते तो बुरा भी मत करो किसी को मत सताओ।पैसे से गुजरा हुआ समय खरीदना नामुमकिन है। पैसा ही सब कुछ नहीं होता मगर आज रिश्ते तराजू पर तोले जाते है अगर कोई गरीब है तो उसके साथ भेदभाव किया जाता है।वक्त बदलते देर नही लगती इसलिए आदमी को अपना अतीत याद करते रहना चाहिए।ताकि विपतौयो का अहसास होता रहे। वर्तमान परिवेश में मानव इतना स्वार्थी व मौकापरस्त होता जा रहा है कि खुद को खुदा से उपर समझने लगा है। आज वह भगवान के साथ छल -कपट तक करने से नहीं चुकता मगर जब उसकी मार पडती है तो होश ठिकाने आ जाते हैं। ऐसे लोगों का आदमियों की पहचान नहीं होती कि कौन अच्छा है कौन बुरा है। आज चापलूस लोगों का बोलबाला हो गया है लेकिन खुदा सब देख रहा है समय ने करवट बदली और उनका भाग्य भी बदल गया लेकिन वह लोग अपनी औकात भूल गये कि एक समय ऐसा भी था कि उनके पास एक जोडी कपडे होते थे।खाने के लाले पडे होते थे। आज अच्छे दिन आ गये तो अपनों को भूल गये और हवा में उडने लगें लेकिन असली व नकली पंखों में फर्क होता है कार-कोठी को ही जीवन का लक्ष्य मान अन्य लोगो कों को नीचा दिखाने की कोशिश में लगे व्यक्तियों की पोल आखिकार खुल जाती है, समाज में आत्मकेन्द्रीत लोगों का जमावडा बढता जा रहा है ऐसे लोग सिर्फ अपनों के सिवाय दूसरों का अच्छा नहीं कर सकते ऐसे लोग जानवरों से भी बदतर हैं।एक पत्थर सिर्फ एक बार मंदिर जाता है और भगवान बन जाता है इंसान हर रोज मंदिर जाते है फिर भी पत्थर ही रहते हैं प्रत्येक इन्सान का एक स्वाभिमान होता है उसे बनाए रखना चाहिए भले ही कितनी ही विपति आ जाए अपना स्वाभिमान बरकरार रखना चाहिए मानव को अपने स्वाभिमान के आसू हर जगह नहीं बहाने चाहिए।जीवन में हम अनेक सुख-दुख देखते है,परन्तु क्या हमने किसी और के लिए कुछ करने के बाद सच्चे सुख की अनुभूति की है दूसरों को अपनी सामथ्र्य के अनुसार दीजिए ,खासकर उन्हे जो अनेक चीजों से वंचित ही रहे या जिन्हे दुख के सिवाय कुछ भी नहीं मिला।

आप महसूस करेगें कि परोपकार का काम करने के बाद आपके होंठों पर आई मुस्कराहट दुनियाभर की दौलत से भी मंहगी होगी।मानव नंगा आता है नंगा ही चला जाता है इस संसार में जो पैदा हुआ है उसे एक दिन इस नश्वर संसार को छोडना ही है आधुनिक युग में जीवन मूल्यों में गिरावट समाज में विष घोल कुंठा उत्पन्न कर रही है तनिक लाभ के लिए लोग अपना जमीर बेच रहे हैं। मानव को अपनी मर्यादा में रहना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

बिजली चोरी करते पकड़े गए 70 पर एफआइआर

धनबाद, एजेंसी। बिजली चोरी के खिलाफ जेबीवीएनएल की ओर से चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत बुधवार को 646 जगहों पर छापेमारी की गयी ।इस दौरान बिजली चोरी के आरोप में 70 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया ।उन पर 13 लाख 89 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है ।जेबीवीएनएल धनबाद सर्किल के अधीक्षण अभियंता एसके कश्यप ने बताया कि धनबाद सर्किल में 354 जगह छापेमारी की गयी ।इसमें 31 लोगों को पकड़ा गया और सात लाख 52 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया ।वहीं चास सर्किल में 293 स्थानों पर छापेमारी की गयी ।इसमें 39 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराते हुए छह लाख 37 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया ।

देवघर में अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराई : युवक की मौके पर मौत

देवघर, एजेंसी। देवघर जिले के मधुपुर अनुमंडल में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ ।बुढ़ई थाना क्षेत्र के जगदीशपुर के पास धावाटांड़ में एक बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई ।हादसे में बिहार के बटिया थाना क्षेत्र के घोंघा गांव निवासी दीपक सिंह की मौके पर ही मौत हो गई । स्थानीय लोगों की सूचना पर बुढ़ई थाना की पुलिस मौके पर पहुंची ।बाइक से मिले कागजात से पता चला कि वह जामताड़ा के मिहिजाम की है ।पुलिस के मुताबिक, दीपक मधुपुर से अपने घर जा रहे थे ।इसी दौरान धावाटांड़ के पास उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई ।पेड़ से टकराने के कारण सिर में गंभीर चोट लगी और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई ।थाना प्रभारी अशोक कुमार ने दल-बल के साथ शव को कब्जे में लेकर थाने ले आए ।पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी ।परिजन थाने पहुंच गए हैं ।शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए देवघर सदर अस्पताल भेज दिया गया है ।पुलिस मामले की जांच कर रही है ।

थानेदार ने एसडीपीओ को थाना में घुसने से रोका, एसपी ने किया निलंबित

पलामू, एजेंसी। एसडीपीओ को थाना में घुसने से रोका गया है ।थाना के गेट को बंद कर दिया गया था ताकि एसडीपीओ थाना में अंदर नहीं घुस पाए ।इस पूरे मामले में पलामू एसपी ने कार्रवाई करते हुए थानेदार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है ।दरअसल पूरा मामला पलामू के रेहला थाना क्षेत्र से जुड़ा है ।बिश्रामपुर एसडीपीओ आलोक कुमार टूटी रात्रि गश्ती के दौरान अवैध रूप से बालू का उठाव करते हुए ट्रैक्टर को पकड़ा था ।एसडीपीओ ट्रैक्टर को लेकर रेहला थाना गए लेकिन थाने के मुख्य गेट पर ताला लगा हुआ था ।एसडीपीओ ने तत्काल थाना प्रभारी को कॉल किया लेकिन कॉल का कोई जवाब नहीं दिया गया ।इस दौरान एसडीपीओ ने मौके पर तैनात ऑन ड्यूटी पुलिस अधिकारी से पूछताछ की । इससे पहले ऑन ड्यूटी पुलिस अधिकारी से पूछताछ में एसडीपीओ को जानकारी मिली कि थानेदार के आदेश पर गेट में ताला लगाया गया है ।एसडीपीओ आलोक कुमार टूटी ने पूरे मामले में एसपी रीष्मा रमेशन को एक रिपोर्ट बनाकर सौंपा थी ।एसपी रीष्मा रमेशन ने मामले में कार्रवाई करते हुए रेहला थानेदार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया ।मेदिनीनगर टाउन थाना में तैनात सब इंस्पेक्टर गुलशन बिरुआ को रेहला का नया थाना प्रभारी बनाया गया है ।

अधिवक्ताओं ने लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका के सम्मान में निकाली तिरंगा यात्रा

बोकारो, एजेंसी। झारखंड के बोकारो जिला में अधिवक्ताओं ने लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली ।जानकारी के अनुसार, अधिवक्ताओं के एक समूह ने गुरूवार को कैंप दो स्थित बोकारो बार परिसर से तिरंगा यात्रा निकाली ।तिरंगा यात्रा कैंप दो का भ्रमण करते हुए पुन- बार परिसर पहुंची ।यह यात्रा लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के सम्मान में निकाली गयी ।वंदे मातरम्, भारत एकता जिंदाबाद, भारत माता की जयज्सहित अन्य देशभक्ति नारों से बार परिसर गूंज उठा. बता दें कि इस अवसर पर अधिवक्ताओं ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर हर्ष जताया ।साथ ही देश की सेना पर गर्व किया ।इस दौरान बार परिसर का माहौल देश भक्ति से भरा दिखा ।बार परिसर में मौजूद अधिवक्ताओं ने कहा कि हमारे देश की सेना हमारा गर्व है ।

पेसा एक्ट को लेकर सरकार का बड़ा एलान

सभी की सहमति और सुझाव के बाद होगा लागू

रांची, एजेंसी। राज्य के जनजातीय बहुल क्षेत्रों में पंचायतों को विशेष अधिकार देने वाली पेसा (पंचायत एक्सटेंशन टू शेड्यूल्ड एरियाज एक्ट) नियमावली सभी की सहमति से ही लागू की जाएगी। नियमावली त्रुटि रहित तथा ठोस होगी, ताकि बाद में उसपर कोई विवाद न हो। इसमें आदिवासी समुदाय के हितों को अनदेखा नहीं किया जाएगा तथा परंपरागत स्थानीय स्वशासन व्यवस्था के अधिकार भी बरकरार रहेंगे।

पेसा नियमावली के प्रविधानों को लागू करनेवाले प्रमुख विभागों के मंत्रियों ने यह आश्वासन मंगलवार को होटल रेडिसन में आयोजित %पेसा विचार गोष्ठी कार्यशाला% में आदिवासी बुद्धिजीवियों, सामाजिक संगठनों एवं अन्य हितधारकों को दिया। मंत्रियों ने कहा कि इस कार्यशाला में जो भी सुझाव आए हैं, सरकार उन्हें लागू करने के लिए पेसा नियमावली के ड्राफ्ट में एक बार फिर संशोधन करेगी।

इससे पहले, कार्यशाला में आदिवासी बुद्धिजीवियों ने राज्य सरकार द्वारा जारी पेसा नियमावली के संशोधित ड्राफ्ट के कई प्रविधानों पर भी आपत्तियां दर्ज कीं। इस क्रम में उन्होंने कई सुझाव भी दिए। कहा गया कि पेसा नियमावली में झारखंड पंचायती राज अधिनियम 2011 के प्रविधानों को थोपा नहीं जाए।

खासकर परंपरागत स्वशासन व्यवस्था के अधिकारों का किसी भी हाल में हनन न हो। पेसा कानून लागू होने के इतने समय बाद भी नियमावली लागू नहीं होने पर भी सवाल उठाए। आठ समूहों के माध्यम से आए सुझावों एवं आपत्तियों को सुनने के बाद सभी मंत्रियों ने आश्वासन दिया कि पेसा एक्ट की भावना से खिलवाड़ नहीं होगा। परंपरागत स्वशासन व्यवस्था के साथ किसी तरह का छेड़छाड़ भी नहीं होगा।

आदिवासी समुदाय से भी लें राय- के राजू : इससे पहले कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी व राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के पूर्व अपर सचिव के राजू ने स्पष्ट रूप से सुझाव दिया कि राज्य सरकार पेसा नियमावली किसी हड़बड़ी में कैबिनेट में न लाए। सरकार गांवों में जाकर उन आदिवासी समुदाय से भी राय ले, जिनके लिए यह नियमावली लागू की जानी है। दूसरे राज्यों में लागू नियमावली का भी अध्ययन करे तथा वहां के अच्छे प्रविधानों को अपनी नियमावली में सम्मिलित करे।

उन्होंने पेसा नियमावली लागू करने के लिए जन प्रतिनिधि अधिनियम में भी संशोधन की वकालत की। उन्होंने कहा कि जमीन अधिग्रहण में ग्राम सभा की सहमति लेनी ही होगी, नहीं तो आदिवासी विरोध करेंगे। झारखंड में माडल पेसा रूल लागू हो ताकि दूसरे राज्य भी इसका अनुशरण कर सकें।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जारी पेसा नियमावली का ड्राफ्ट अंतिम ड्राफ्ट नहीं है। कार्यशाला में आई आपत्तियों और सुझावों को ध्यान में रखकर अंतिम ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा और परंपरागत स्वशासन व्यवस्था में कोई छेड़छाड़ नहीं होगा। पेसा एक्ट की मूल् भावना और संविधान के प्रविधानों के अनुसार ही नियमावली लागू की जाएगी। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि भले ही पेसा नियमावली तैयार करने में और समय लगे, लेकिन राज्य सरकार की मंशा एक दुरुस्त नियमावली लागू करने की है।

चालान काटने के मामले में झारखंड को 21वां स्थान, रोजाना कट रहे लगभग 1 हजार चालान

रांची, एजेंसी। झारखंड की सड़कों पर चल रहे वाहन चालक ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं. इसी कारण है कि रोजाना राज्य के लगभग 1 हजार लोगों का चालान कट रहा है. शायद यही वजह है कि यातायात नियमों के उल्लंघन के मामले में देशभर में झारखंड राज्य 21वें नंबर पर है. झारखंड में रोजाना औसतन 937 लोगों का ट्रैफिक चालान कट रहा है. इसके अलावा पहले स्थान पर तमिलनाडु है. यहां रोजाना सबसे अधिक चालान काटे जाते हैं.

रोजाना सबसे अधिक चालान कटने वाले राज्यों में पहले स्थान पर जहां तमिलनाडु है, तो दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश, तीसरे नंबर पर केरल, चौथे नंबर पर हरियाणा और पांचवें नंबर पर दिल्ली है. इसके अलावा चालान से आमदनी के मामले में पहले स्थान पर उत्तर प्रदेश, दूसरे नंबर पर हरियाणा और तीसरे नंबर पर राजस्थान है. झारखंड का स्थान 21वें स्थान पर है.

मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार 13 मई 2020 से 13 मई 2025 के दौरान झारखंड में 17.10 लाख लोगों का चालान कटा है. इसमें ट्रैफिक पुलिस ने 15.88 लाख और परिवहन विभाग ने 1.22 लाख लोगों का चालान किया है. इनसे कुल 82.71 करोड़ रुपये की आमदनी हुई है. 5 साल की अवधि के दौरान तमिलनाडु में 6.39 करोड़, उत्तर प्रदेश में 5.86 करोड़, केरल में 3.38 करोड़ लोगों का चालान कटा है.

राशन कार्ड : धनबाद के राशन कार्ड उपभोक्ता ध्यान दें, आपको जून में मिलेगा 3 महीने का अनाज

धनबाद, एजेंसी। मानसून आने वाला है, ऐसे में राशन कार्डधारकों के लिए अच्छी खबर है। 15 जून तक सभी कार्डधारकों को तीन माह के अग्रिम राशन का वितरण होगा। इस दिशा में जिला आपूर्ति विभाग की ओर से वितरण कार्य शुरू भी कर दिया गया है। पहले चरण में 31 मई तक जून और जुलाई माह का अनाज वितरण होगा, जबकि 15 जून तक अगस्त माह का भी अनाज सभी कार्डधारकों को दिया जाएगा।

इसे लेकर विभाग की ओर से सभी जनवितरण दुकानदारों का राशन उठाने और वितरण करने का आदेश दिया गया है। इसके तहत कुल 2.70 लाख क्विंटल राशन का वितरण किया जाना है। धनबाद जिले में जन वितरण प्रणाली के तहत राशन प्राप्त करने वाले कुल कार्डधारक 4.40 लाख हैं और इस पर कुल 18.70 लाख सदस्यों तक राशन पहुंचता है। जबकि इनमें से करीब 98 हजार ऐसे कार्डधारक हैं जो छह माह से लेकर पांच साल से राशन का उठान नहीं कर रहे हैं। आपूर्ति विभाग की ओर से राज्य खाद्य आपूर्ति निगम को यह आदेश दिया गया है कि अतिरिक्त अनाज के भंडारण के लिए सरकारी गोदामों के अलावा आसपास के सरकारी भवनों का चयन भी करना है। पैक्स के गोदामों को भी लिया जाना है।

राज्य में क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा, महिला टीम को देंगे बराबरी का मंच : शाहदेव

रांची, एजेंसी। झारखंड के मशहूर उद्योगपति एसके बेहरा झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) के अध्यक्ष पद के लिए रविवार को होने वाले चुनाव में ताल ठोक रहे हैं। एसके बेहरा ने घोषणा पत्र में झारखंड क्रिकेट को नई बुलंदियों तक ले जाने का वादा किया है। इसमें हर जिले में क्रिकेट का विकास, पांच जोनल अकादमियों की स्थापना, पारदर्शी शासन और खिलाड़ियों के कल्याण जैसे बड़े वादे शामिल हैं।

उनकी टीम ने वादा किया है कि क्रिकेट को जमीनी स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक ले जाया जाएगा। इसके लिए राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टूर्नामेंट और लीग का आयोजन होगा। स्कूलों, कालेजों और विश्वविद्यालयों में क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

झारखंड के सभी 23 जिलों, उप-मंडलों और पंचायतों तक क्रिकेट को पहुंचाने का लक्ष्य है, ताकि कोई भी प्रतिभा छिपी न रहे। उनकी टीम में नंदू पटेल को उपाध्यक्ष, एसबी सिंह को सचिव और राजकुमार शर्मा को संयुक्त सचिव के रूप में मैदान में उतारा है। इसके अलावा कमेटी मेंबर में श्रवण जाजोड़िया, नवल किशोर उपाध्याय, गोपाल कृष्ण सहाय, मो।काजिर व गुरबारी हेंब्रम तथा जिला प्रतिनिधि के लिए अरुण कुमार राय, आलोक कुमार राय, प्रवीर कुमार सिंह, दिनेश कुमार सिंह, शुभम कुमार मैदान में हैं। रांची7 झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन 2025 का चुनाव 18 मई को होना है। हाई प्रोफाइल हो चुके इस चुनाव में मुख्यतः दो गुटों के बीच टक्कर है।एक गुट की अध्यक्षता अजय नाथ शाहदेव, तो दूसरी टीम की एसके बेहरा कर रहे हैं। दोनों गुटों ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन कर क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का वादा कर रहे हैं। रांची7 आगामी 18 मई को होने वाले झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) की प्रबंधन समिति के चुनाव से पहले 'द टीम' के सभी प्रत्याशी गुरुवार को रांची प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में मीडिया के सामने प्रस्तुत हुए। इस मौके पर उन्होंने जेएससीए के कार्यकलापों में पारदर्शिता लाने, राज्य में क्रिकेट के सर्वांगीण विकास और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा मुहैया कराने को अपनी प्रमुख प्राथमिकता बताया।अध्यक्ष पद के प्रत्याशी अजय नाथ शाहदेव ने स्पष्ट किया कि अगर 'द टीम' को मौका मिला, तो जेएससीए में पारदर्शिता स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य सिर्फ चुनाव जीतना नहीं, बल्कि राज्य में क्रिकेट को जमीनी स्तर से मजबूत करना है। अजय नाथ शाहदेव ने बताया कि इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके शाहबाज नदीम और सौरव तिवारी को टीम में शामिल किया गया है, ताकि उनके अनुभव का लाभ राज्य के युवा खिलाड़ियों को मिल सके।

मोरहाबादी में अतिक्रमण हटाने के विरोध में सड़क जाम, पुलिस से भिड़े दुकानदार

रांची, एजेंसी। रांची के मोरहाबादी में गुरुवार को फुटपाथ दुकानदारों ने जमकर हंगामा किया।जानकारी के अनुसार, गुरुवार को रांची नगर निगम के अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में मोरहाबादी के फुटपाथ दुकानदार सड़क पर उतर आये।आक्रोशित दुकानदारों ने बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम के पास बांस-बल्ली और बैरियर लगाकर सड़क जाम कर दिया।इस दौरान करीब एक घंटे तक सड़क जाम रही, जिससे आवागमन बाधित हुआ।मामले की सूचना जब मोरहाबादी टीओपी की पुलिस को मिली, तो पुलिस विरोध कर रहे दुकानदारों के पास पहुंची।लेकिन दुकानदार पुलिसवालों पर ही भड़क गये.

मामले के संबंध में दुकानदारों का कहना है कि दुकानों को हटाये जाने से हमें आपत्ति नहीं है, लेकिन अतिक्रमण हटाने के नाम पर जिस तरह सब्जी और फलों को सड़क पर फेंका गया है, वह बर्दाश्त करने योग्य नहीं है।मामले पर नियंत्रण पाने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल मंगाया गया।पुलिस ने दुकानदारों से कहा कि आप लोग बिना किसी अवैध स्ट्रक्चर का निर्माण किए दिन भर सब्जी बेचें और शाम को उसे लेकर घर वापस चले जायें।प्रशासन आपको परेशान नहीं करना चाहता है।आप आराम से अपनी दुकानें लगायें।पुलिस की यह बात सुनकर दुकानदारों का गुस्सा शांत हुआ.

वहीं, अतिक्रमण हटाने के दौरान फल और सब्जियों को सड़क पर ही फेंक दिया गया था।इसे सुबह के करीब नौ बजे निगम के सफाईकर्मियों ने सड़क से उठाया।इधर, मोरहाबादी दुकानदार संघ के अध्यक्ष कुमार रोशन ने कहा कि देर रात करीब 12 बजे अतिक्रमण अभियान चलाना और दुकानें हटाना उचित नहीं है।अधिकारी इसकी जानकारी दें कि किसके आदेश पर आधी रात को अभियान चलाया गया।

बंगाल की मुस्लिम महिलाएं ले रहीं मंईया सम्मान योजना की राशि, खुलासा हुआ तो, हर कोई रह गया दंग !

पोटका, एजेंसी। झारखंड सरकार की मंईयां सम्मान योजना का लाभ बंगाल की मुस्लिम महिलाएं उठा रही हैं। दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा कर सीमावर्ती क्षेत्रों में यह खेल लगातार चल रहा है। फर्जी राशन कार्ड, फर्जी मोबाइल नंबर के सहारे गलत तरीके से रजिस्ट्रेशन करा कर बंगाल की मुस्लिम महिलाएं इस योजना का लाभ ले रही हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बड़े पैमाने पर यहां मुर्शिदाबाद के मुस्लिम मिस्त्री और विभिन्न तरह के कार्य करने वाले लोग निवास करते हैं। जो गलत तरीके से अपने परिवार के लोगों का मंईयां सम्मान योजना में नाम रजिस्टर्ड करा कर इनका गलत तरीके से लाभ ले रहे हैं।

पोटका में सत्यापन सूची में बंगाल की महिलाओं के नाम आने से मुखिया बाघराय सोरेन दंग रह गए हैं। मुखिया ने बताया कि 480 मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के सत्यापन के लिए सूची प्रखंड से उपलब्ध कराई गई है। इस सूची में जब जांच की जा रही है तो पता चल रहा है कि कलिकापुर पंचायत में 27 बंगाल की मुस्लिम महिलाएं इस योजना का लाभ ले रही थीं।

उन्होंने कहा कि जब इन महिलाओं के मोबाइल नंबर से संपर्क किया गया तो कई नंबर गलत हैं और जो नंबर चालू हैं वह बंगाल से फोन रिसीव कर रहे हैं। योजना का लाभ लेने के लिए राशन कार्ड जरूरी था मगर फर्जी राशन कार्ड नंबर डालकर इस योजना का लाभ बड़े ही आसानी के साथ मुस्लिम महिलाएं ले रही थीं।

कहा कि मेरे पंचायत में एक भी मुस्लिम परिवार निवास नहीं करती है। इस मामले को लेकर झारखंड सरकार से मैं उच्चस्तरीय जांच की मांग करता हूं। सभी लाभुकों का सत्यापन होना चाहिए, ताकि यहां के रहने वाले महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल सके।

इ न महिला लाभुकों के सत्यापन के लिए सूची कलीकापुर पंचायत में आई है जिसमें मंजूरा खातून, शेरा खातून, बॉबी बानु, अंजुना खातून, जूही जहांन, बानु बेगम, आजादी बानु, अहिदा टुडू, अर्जुना खातून, जाहिदा खातून, हुस्नारा बानु, नामिना खातून, ममुदा खातून, नजमीन खातून, सहेंसा बेगम, मिनारा खातून, नूर बानु, हसीना बीबी, नूरी बेगम, सबीना खातून, खतीजा खातून, मनीला खातून, रेशमा खातून, शहनाज बेगम, लैला बेगम आदि शामिल है।

आकाशीय बिजली से सीआरपीएफ के एक अधिकारी की मौत

रांची, एजेंसी। चाईबासा के सारंडा में आकाशीय बिजली गिरने से सीआरपीएफ के 2 अधिकारी और झारखंड पुलिस के 2 एएसआई झुलस गए। इलाज के दौरान सीआरपीएफ की 26 बटालियन के सेकेंड इन कमांड एम प्रोबो सिंह की मौत हो गई है। सीआरपीएफके सहायक कमांडेंट सुबीर मंडल, जगुआर के 2 एएसआई सुदेश और चंदलाल हांसदा की हालत गंभीर है। तीनों को रांची रेफर किया गया है। देर रात सीआरपीएफ कैंप के पास आकाशीय बिजली गिरने से सभी उसकी चपेट में आ गए थे।

पूरे झारखंड में आकाशीय बिजली का अलर्ट : इधर, मौसम विभाग ने आज झारखंड के सभी जिलों में आकाशीय बिजली और तेज हवा का अलर्ट जारी किया है। हवा की रफ्तार 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, बिहार से झारखंड होते हुए एक टर्फ लाइन गुजर रही है। यह टर्फ लाइन झारखंड के लिए फायदेमंद रहेगा। इसकी वजह से 19 मई तक राज्य के अधिकतर हिस्सों में अच्छी बारिश की संभावना है। झारखंड में अभी भी वैसी गर्मी नहीं पड़ी है, जिस तरह की गर्मी इस समय पड़नी चाहिए।

3 दिनों में गिर सकता है अधिकतम तापमान : 16 मई से तापमान में गिरावट आ सकती है। इसके बाद बारिश का दायरा बढ़ेगा। 19 मई तक पश्चिमी भाग को छोड़कर अधिकतर क्षेत्रों में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बदलाव की संभावना नहीं है। इसके अगले 3 दिनों में इसमें तीन से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है।

सबसे कम न्यूनतम तापमान रहा खूंटी का : पिछले 24 घंटे में राज्य में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश 44.6 एमएम हाटगम्हरिया (पश्चिम सिंहभूम) में दर्ज की गई। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस डाल्टेनगंज में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस खूंटी में रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने 17 मई को भी लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इसमें गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार और लोहरदगा को छोड़ शेष हिस्सों में कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवा चल सकती है। हवा की रफ्तार 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की हो सकती है। वहीं, वज्रपात की भी संभावना है। वहीं, 18 और 19 मई को राज्य में कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवा का झोंका चल सकता है। वज्रपात की भी संभावना है।

न्यूनतम वेतन मामले की सुनवाई में नहीं पहुंचे श्री पब्लिकेशन के प्रतिनिधि

धनबाद, एजेंसी। धनबाद नगर निगम में होल्डिंग टैक्स संग्रह का कार्य देख रही कंपनी श्री पब्लिकेशन के खिलाफ कर्मियों ने न्यूनतम वेतन व पीएफ सुविधा से वंचित रखने की शिकायत श्रम विभाग में की है।इसे लेकर श्रम कार्यालय बरटांड़ में गुरुवार को सुनवाई होनी थी।लेकिन श्री पब्लिकेशन की ओर से अपना पक्ष रखने के लिए कोई प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुआ।इस वजह से कर्मियों में नाराजगी है।उनका आरोप है कि उन्हें पिछले तीन वर्षों से सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी नहीं मिल रही है।न ही पीएफ जैसी मूलभूत सुविधाएं दी जा रही।कर्मियों ने आरोप लगाया कि कंपनी के प्रोजेक्ट हेड मनोज रवानी ने उन्हें बार-बार शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है व ऐसा न करने पर काम से हटाने और अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया।इस व्यवहार की भी शिकायत नगर निगम को सौंपी गयी है।मामले में सहायक श्रमआयुक्त प्रवीण कुमार ने बताया कि मामले में नियमानुसार कंपनी पर कार्रवाई की जायेगी.

सहायक श्रमायुक्त ने नगर निगम धनबाद की आउटसोर्सिंग कंपनी श्री पब्लिकेशन एंड स्टेशनर्स प्राइवेट लिमिटेड, रांची को उनके एक पूर्व कर्मचारी विजय कुमार गोस्वामी की शिकायत पर नोटिस जारी किया है।शिकायत में आरोप है कि कंपनी ने अक्टूबर 2023 से मार्च 2024 तक का पारिश्रमिक नहीं दिया।30 अक्टूबर 2023 को बिना किसी पूर्व सूचना के कार्य से हटा दिया।उन्हें हटाने की जानकारी 29 मार्च 2024 को ईमेल से दी गयी, जो श्रम कानूनों का उल्लंघन है।सहायक श्रमायुक्त प्रवीण कुमार ने बताया कि कर्मचारी को छंटनी से पहले एक महीने की लिखित सूचना देना अनिवार्य है, जिसे कंपनी ने नहीं निभाया।साथ ही बकाया वेतन न देना श्रम अधिकारों का उल्लंघन है।विभाग द्वारा कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा है।यदि कंपनी इस निर्देश का अनुपालन नहीं करती है, तो सक्षम न्यायालय में अभियोजन दायर करने की प्रक्रिया शुरू की जायेगी.

संक्षिप्त समाचार

बृजबिहारी हत्याकांड में मुन्ना शुक्ला की उम्रकैद की सजा बरकरार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 1998 में पटना में राजद के पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की हत्या के मामले में विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला की आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। शीर्ष अदालत ने मुन्ना शुक्ला और मंटू तिवारी की ओर से सजा के फैसले की समीक्षा को लेकर दाखिल की गई याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि पिछले फैसले की समीक्षा करने के लिए कोई अच्छा आधार और कारण नहीं मिला है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल तीन अक्टूबर को मुन्ना शुक्ला और मंटू तिवारी को मामले में दोषी ठहराया था। मुन्ना शुक्ला व मंटू तिवारी अभी बेउर जेल में बंद है। सूरजभान समेत पांच को संदेह का मिला था लाभ सुप्रीम कोर्ट ने मामले में पूर्व सांसद सूरजभान सिंह समेत पांच अन्य आरोपियों को संदेह का लाभ दिया और मामले में उन्हें बरी करने के हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था। इस हत्याकांड में गोरखपुर का गैंगस्टर श्रीप्रकाश शुक्ला भी आरोपित था। हालांकि, मुकदमे की सुनवाई के दौरान ही श्रीप्रकाश शुक्ला, भूपेंद्र नाथ दुबे और कैप्टन सुनील सिंह की मौत हो गई थी। इस वजह से तीनों पर ट्रायल बंद कर दिया गया था।

उद्घाटन के अगले ही दिन टूटा शिलापट्ट

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। नगर विकास एवं आवास मंत्री जीवेश कुमार द्वारा उद्घाटन किए जाने के अगले ही दिन गुरुवार को एक शिलापट्ट गिरकर टूट गया। इसे बीते बुधवार को सिटी पार्क के बाहरी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में रखा गया था। बाद में उसी जगह पर मीनापुर से जुड़ा एक शिलापट्ट गिरकर टूट गया। इस पर सवाल उठाते हुए वार्ड 20 के पार्षद संजय कुमार केजरीवाल ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। साथ ही कार्यक्रम के आधे घंटे पहले पार्षदों को जानकारी देने पर भी आपत्ति दर्ज कराई।

श्रीमद भागवत कथा सुनने का अवसर सबको नहीं मिलता : साध्वी पूजा

भागलपुर, एजेंसी। संसार में यूं तो लोगों को कई तरह के किस्से कहानी सुनने का, फिल्में देखने का ,घूमने आदि का अवसर बार बार मिल ही जाता है परंतु श्रीमद भागवत कथा सुनने का अवसर किसी किसी को ही मिलता है।अतः भागवत कथा अवश्य सुनें।यह कथा बार-बार सुनने नहीं मिलेगा। उक्त बातें बिहार झारखंड की ठीक सीमा पर स्थित शंकरपुर में चल रहे नौ दिवसीय नौ कुण्डी लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में श्रीमद भागवत कथा वाचन करते हुए साध्वी पूजा शर्मा ने कही।उन्होंने कहा कि यह कथा भगवान ने भी सुनाई है और यह कथा ईश्वर के भी दर्शन कराती है तथा मन के मैल को साफ करती है। उन्होंने कहा कि भगवान भाव के भूखे होते हैं।उन्हें धन, दौलत, ऐश्वर्य की चाहत नहीं होती वे तो भक्तों के भाव को देखते हैं तथा प्रसन्न हो किसी

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए बिहार में बड़ी पहल

9 से 14 साल की बेटियों को मिलेगा मुफ्त टीका, कटिहार में 22 करोड़ की स्वास्थ्य योजनाएं शुरू

कटिहार, एजेंसी। बिहार सरकार ने महिलाओं की जानलेवा बीमारी सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य के स्वास्थ्य एवं विधि मंत्री मंगल पांडे ने मंगलवार को कटिहार पहुंचे। यहां फलका में 22 करोड़ 32 लाख की स्वास्थ्य परियोजनाओं का उन्होंने उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन योजनाओं में 30 बेड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 34 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, और हेल्थ सब-सेंटर का निर्माण शामिल है।

स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक सुधार का दावा

मंत्री ने बताया कि सभी सदर अस्पतालों में टीके पहुंचा दिए गए हैं, और अभियान जल्द शुरू होगा। इस योजना के माध्यम से कैंसर से जीवन भर की सुरक्षा देने का प्रयास किया जा रहा है। अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता बढ़ाई गई है। स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया भी तेज की गई है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत, टीकाकरण और अन्य कल्याणकारी योजनाओं को भी सफलतापूर्वक लागू किया जा रहा है।

पाकिस्तान पर तीखा हमला

फलका की सभा में स्वास्थ्य मंत्री ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, ÷पाकिस्तान कभी नहीं सुधरेगा, इसलिए

बेटियों को मिलेगा मुफ्त सर्वाइकल कैंसर टीका

मंत्री ने बताया कि सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना है। मंगल पांडे ने कहा, सर्वाइकल कैंसर टीका, एक महंगा टीका है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार पहला राज्य बना है, जो इसे पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध करा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर स्थगित किया है, समाप्त नहीं। हमारे सैनिक सीमा पर तैनात हैं और हर जवाब देने को तैयार हैं। सभा के दौरान लोगों ने 'भारत माता की जय' और 'भारतीय सेना जिंदाबाद' के नारे लगाए।

पेयजल संकट के समाधान की महिलाओं ने रखी मांग

भागलपुर, एजेंसी। प्रखंड के विभिन्न स्थानों पर अम्बेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। खासकर बंधु जयराम पंचायत में दो स्थानों पर आयोजन हुआ।जिसका नेतृत्व बीडीओ अभिमन्यु कुमार ने किया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने अधिकारियों के अपनी अपनी विभिन्न समस्याएं सुनाई तथा समाधान की मांग की।महिलाओं ने खासकर नल को लेकर अपनी व्यथा सुनाई तथा कहा कि ना तो नल का जल सही ढंग से मिल रहा है ना चापानल चल रहा है।भीषण गर्मी में पानी का लेयर नीचे जाने से परेशानी बढ़ गई है।जिससे पानी पीने का भीषण संकट हो गया है। आवास योजना, वृद्ध पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा है।राशन कार्ड नहीं बन रहा है। नाला आदि की साफ सफाई भी नहीं हो रही है।जबकि बीडीओ एवम जीविका के बीपीएम मो जाहिद इमाम ने सरकार द्वारा चलाई जा रही 22 योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी तथा लाभ लेने कहा। जबकि महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन मोहनपुर मधुबन,मौल टोला आदि में भी किया गया।

आरजेडी विधायक रीतलाल यादव के गांव में चला प्रशासन का बुलडोजर

दानापुर, एजेंसी। बिहार के दानापुर से लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के विधायक रीतलाल यादव के गांव कोथवां में पटना जिला प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर 17 दुकानों को ध्वस्त कर दिया। पटना के डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह के निर्देश पर यह कार्रवाई गुरुवार को की गई। बताया जा रहा है कि यहां 77 डिसमिल सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण था, जिसे प्रशासन ने हटाया। अतिक्रमण करने के पीछे विधायक का हाथ होने की भी बात सामने आई। बताया जा रहा है कि दानापुर-खगौल रोड स्थित रिहायशी इलाके में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की

17 दुकानें ध्वस्त

बात सामने आई थी। अतिक्रमण के खिलाफ दानापुर अंचल में सीओ के यहां अतिक्रमणवाद चलाया गया। जिन लोगों ने अतिक्रमण किया था, उनको नोटिस जारी किया गया। स्थानीय लोगों का कहना था कि सरकारी भूमि पर एक दबंग विधायक और उनके परिजनों ने अवैध निर्माण कर रखा है। डीएम के निर्देश पर दानापुर के अंचलाधिकारी, खगौल थाना प्रभारी और दानापुर नगर परिषद के सिटी मैनेजर मौके पर पहुंच पहले 17 दुकानों को तोड़ा। इसके बाद शेष जमीन को भी खाली करा दिया गया। यह कार्रवाई दानापुर एसडीएम दिव्य शक्ति के नेतृत्व में की गई। इस अवसर पर भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे। स्थानीय लोगों ने प्रशासन को जानकारी दी है कि दानापुर क्षेत्र में कई जगहों पर एक दबंग विधायक की सरपरस्ती में सरकारी भूमि पर मकान और दुकान बनाई गई है। डीएम के निर्देश पर एसडीएम सभी मामले की छानबीन कर रही हैं। अतिक्रमण हटाने वाले अधिकारियों ने इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज दी है। प्रशासन की इस कार्रवाई की दानापुर क्षेत्र में दिन भर चर्चा होती रही।

भोजपुर में कट्टा के साथ 3 अपराधी गिरफ्तार:चोरी की 2 बाइक बरामद

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर के चांदी थाना क्षेत्र से पुलिस ने चोरी की 2 बाइक के साथ 3 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। 1 देसी कट्टा भी बरामद हुआ है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने जोगता गांव से अमरजीत कुमार, नागेंद्र कुमार और आनंद मोहन को पकड़ा है। इनमें से 2 का क्रिमिनल रिकॉर्ड रहा है।

चांदी थानाध्यक्ष राकेश कुमार रौशन बताया कि अमरजीत कुमार हत्या और आर्म्स एक्ट मामले में आरोपी है। कुछ दिन पहले ही जेल से जमानत पर बाहर आया था। नागेंद्र कुमार पर मुफस्सिल और नगर थाना में शराब का केस दर्ज है। इस मामले में जेल भी गया था। गिरफ्तार तीनों बदमाशों को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है।

हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार : इसके अलावा टाउन थाना क्षेत्र के गौसगंज मोहल्ले में छापेमारी कर पुलिस ने हेरोइन के साथ महिला समेत 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। कैश भी बरामद हुआ है।

एसपी राज ने इसकी पुष्टि की है। तस्कर की पहचान गौसगंज निवासी कमलेश माली की पत्नी सोनामती देवी और मुफस्सिल थाना क्षेत्र के धमार निवासी धीरज माली के तौर पर हुई है। एनडीपीएस एक्ट के तहत स्वढ्ढकदर्ज की गई है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कमलेश माली के घर में नशील पदार्थ खरीदने-बेचने का धंधा चल रहा है। एसपी के आदेश पर मजिस्ट्रेट और पुलिस की संयुक्त टीम ने घर में छापा मारा। तलाशी के दौरान 32.48 ग्राम हेरोइन और 14 हजार 500 रुपए कैश बरामद हुआ। मौके से 2 मोबाइल भी मिला है। तस्करों के नेटवर्क को खंगाला जा रहा है।

पूर्णिया में घर में लगी आग, लाखों का नुकसान

फायर ब्रिगेड की 3 गाड़ियों ने पाया काबू

पूर्णिया , एजेंसी। पूर्णिया के मरंगा थाना क्षेत्र में एक घर में आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। लपटें देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। आग बुझाने की काफी कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 3 गाड़ियां मौके पर पहुंची। घंटों मशक्कत के बाद काबू पाया। घटना नेवालाल चौक की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। कैश और घरेलू सामान जलकर राख गया।

सड़क हादसे में कुछ दिन पहले सविता देवी के पति की मौत हो गई थी। अब अगलगी की इस घटना ने परिवार के सिर से छत भी छिन गई है।

पड़ोसियों से आग लगने की सूचना मिली : पीड़िता सविता देवी ने बताया कि पति के मौत के बाद अपना और बेटे का पेट भरने के लिए दुकान में काम करती हूं। गुरुवार को घर में ताला लगाकर काम करने गई थी। पड़ोसियों ने फोन करके आग लगने की सूचना दी। जानकारी मिलते ही बेटे के साथ घर पहुंची। चारों तरफ अफरातफरी का माहौल था। लोगों ने आपसी सहयोग से आग पर काबू पाने की पूरी कोशिश की, लेकिन लपटें इतनी तेज थी कि शांत होने के जगह और भड़क उठा। घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। पहले पति की मौत और अब अगलगी की घटना ने सब कुछ बर्बाद कर दिया।

पूर्णिया एक्सप्रेस-वे से नहीं जुड़ेगा पटना रिंग रोड

नए सिरे से बन रहा डीपीआर

पूर्णिया , एजेंसी। पटना रिंग रोड अब बिदुपुर-दिघवारा के पहले पूर्णिया एक्सप्रेस-वे से नहीं जुड़ेगा। इसके लिए बिदुपुर से दिघवारा तक सड़क का नए सिरे डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बन रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने नए एलाइनमेंट में डीपीआर बनाने का काम शुरू कर दिया है।

बिदुपुर-दिघवारा को पहले पूर्णिया एक्सप्रेस-वे में शामिल करना था। वहीं रामनगर से कच्ची दरगाह तक सड़क निर्माण को लेकर ठेकेदार का चयन कर लिया गया है। एकरारनामा होने के बाद जुलाई में निर्माण शुरू होगा। इधर शेरपुर से कन्हौली के बीच बनने वाली सड़क में 76 हेक्टेयर जमीन के अधिग्रहण पर 384 करोड़ रुपये खर्च होंगे। 192 करोड़ राज्य सरकार को देना है। बिदुपुर से दिघवारा के बीच लगभग 40 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण होना है। इन दोनों सड़कों को जोड़ने के लिए गंडक नदी पर एक पुल बनेगा। पटना-बेतिया फोरलेन में बाकरपुर-मानिकपुर के समीप गंडक नदी पर 6 लेन पुल का निर्माण होना है। इसमें एक विकल्प यह भी होगा कि बाकरपुर-मानिकपुर पुल के सहारे ही गंडक को पार कर बिदुपुर-दिघवारा सड़क का एलाइनमेंट तैयार कर लिया जाए। अन्यथा बिदुपुर-दिघवारा सड़क को तैयार करने के लिए गंडक पर नए सिरे से पुल का निर्माण किया जाए।

इसका निर्णय डीपीआर बनने के बाद ही लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार रामनगर-कन्हौली सड़क का निर्माण बिहटा के समीप नीचे से किया गया है। वहीं इस सड़क के ऊपर दानापुर-बिहटा एलिवेटेडल कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है। शेरपुर-कन्हौली सड़क भी यहीं पर जुड़ेगी। इन तीनों सड़कों का मिलन

होने के कारण यहां पर जंक्शन का निर्माण होगा। इसके लिए दो तरह के प्रस्ताव पर विचार हो रहा है। इसमें पहला एलिवेटेड कॉरिडोर के ऊपर और दूसरा एलिवेटेड कॉरिडोर के नीचे जंक्शन का निर्माण किया जाए। इसके लिए डीपीआर तैयार हो रहा है।

गंगा नदी के तटबंध पर 51 किमी नया रोड बनाएगी बिहार सरकार

,आरा-बक्सर को जाम से राहत

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार गंगा नदी के तटबंध पर नया रोड बनाने जा रही है। कोईलवर से बक्सर के बीच में बनने वाली 51 किलोमीटर लंबी यह सड़क न केवल दोनों शहरों के बीच वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराएगी, बल्कि पूरे इलाके को जाम से मुक्ति दिलाने में भी मददगार होगी। दोनों शहरों के बीच 51 किलोमीटर लंबे तटबंध पर इस सड़क का निर्माण किया जाएगा। इससे आरा और बक्सर के बीच लगने वाले जाम से भी कुछ हद तक राहत मिलेगी।

जल संसाधन विभाग के अनुसार, लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने और नदियों के जलस्तर की निगरानी कड़ी करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। यही नहीं, तटबंध पर सड़क के बनने से तटबंधों के क्षतिग्रस्त हिस्से तक सहजता से पहुंचना भी आसान होगा। साथ ही लोगों को गंतव्य तक पहुंचने में जाम से मुक्ति मिलेगी। पिछले दिनों विभाग के प्रधान सचिव संतोष मल्ल ने वहां जाकर स्थल निरीक्षण भी किया। उनके साथ विभाग के आला अधिकारी और विशेषज्ञों की टीम भी थी। बाद में उनके निर्देश पर इसको लेकर कार्ययोजना तैयार की गई।

गंगा नदी पर कोईलवर और बक्सर के बीच 51 किलोमीटर लंबा तटबंध है। यह फिलहाल बहुत अच्छी स्थिति में नहीं है। तटबंध के ऊपर कच्ची पगडंडी जैसी सड़क है। जल संसाधन विभाग ने इस तटबंध को न केवल सुदृढ़ और मजबूत बनाने की योजना बना रहा है, बल्कि इसके ऊपर सड़क के निर्माण की भी योजना है। तटबंध का कालीकरण किया जाएगा।

182 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट

जल संसाधन विभाग ने इस तटबंध को सशक्त बनाने और इसके ऊपर सड़क बनाने के लिए 182 करोड़ की योजना मंजूर की है। पिछले दिनों राज्य मंत्रिपरिषद ने भी इस योजना पर अपनी मुहर लगी दी। इस योजना के तहत तटबंध में दो वाहनों के गुजरने लायक सड़क का निर्माण किया जाएगा। भविष्य में सड़क का विस्तारीकरण करने की योजना है।

पटना से बक्सर जाना होगा आसान

इसके निर्माण से कोईलवर और बक्सर के बीच वैकल्पिक रोड उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही आरा, बिहियां, शाहपुर और डुमरांव के लिए भी वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था हो सकेगी। ये शहर भी आपस में वैकल्पिक मार्ग से जुड़ जाएंगे। इससे पूरे इलाके को जाम से भी मुक्ति मिलेगी। सबसे बड़ी बात यह होगी कि पटना से भी बक्सर जाना आसान हो सकेगा। तटबंध पर सड़क बनने से मुख्य मार्ग पर ट्रैफिक बोझ भी काफी कम होगा।

अधिकारी नहीं निपटा रहे नीलामवाद के लंबित मामले

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। नीलामवाद के लंबित मामलों के निष्पादन में नीलामपत्र पदाधिकारी रुचि नहीं ले रहे हैं। इस कारण वादों का निष्पादन तेजी से नहीं हो पा रहा है। ऐसा तब है जब राजस्व पर्षद से लेकर प्रमंडलीय आयुक्त और डीएम के स्तर से लगातार मामलों के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया जा रहा है। इसपर डीएम सुब्रत कुमार सेन ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि कुछ को छोड़ दें तो शेष सभी पदाधिकारी के स्तर पर निष्पादन की गति बहुत धीमी है। समीक्षा में पता लगा कि मार्च से लेकर अप्रैल तक निष्पादन का कार्य नहीं के बराबर हुआ है। यह चिंताजनक स्थिति है। वर्ष 2000 से पहले के लंबित वादों का निष्पादन करने का भी लक्ष्य जनवरी तक हर हाल में पूरा करने को कहा गया था, लेकिन वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद भी बड़ी संख्या में मामला लंबित पड़ा हुआ है।

वेस्टइंडीज ने अपने खिलाड़ियों को आईपीएल 2025 में खेलने को दी मंजूरी, जीटी और आरसीबी को राहत

एजेंसी, नई दिल्ली

क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने फैसला किया है कि भले ही वेस्टइंडीज टीम मई में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलेगी, लेकिन इसके बावजूद खिलाड़ियों को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में खेलने की अनुमति दी जाएगी। यह फैसला खासतौर पर गुजरात टाइटंस (जीटी) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) जैसी फ्रेंचाइजी के लिए राहत की खबर है, जिनके अहम खिलाड़ी इंटरनेशनल कमिटमेंट्स के कारण अनुपलब्ध हो सकते थे।

जीटी के लिए रदरफोर्ड, आरसीबी के लिए शेफर्ड बने गेम चेंजर : शेरफेन रदरफोर्ड ने इस सीजन में गुजरात टाइटंस के लिए 11 मैचों में 299 रन बनाए हैं, औसत 38 और स्ट्राइक रेट 159 का रहा है। वो अक्सर इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में खेले और टीम को संकट से निकालते रहे। वहीं, रोमारियो शेफर्ड ने आरसीबी के लिए एकमात्र पारी में 53 रन बनाए थे, वो भी 378 के स्ट्राइक रेट से – जो मैच जिताऊ पारी साबित हुई।

कौन-कौन खिलाड़ी लौटेंगे वेस्टइंडीज, कौन आईपीएल में बने रहेंगे? : इस वक्त आईपीएल में आठ वेस्टइंडीज खिलाड़ी खेल रहे हैं – रदरफोर्ड, शेफर्ड, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, रोवमैन पॉवेल (तीनों केकेआर), निकोलस पूरन, शमर जोसेफ (दोनों एलएसजी) और शिमरोन हेटमायर (राजस्थान रॉयल्स)। इनमें से सिर्फ तीन – रदरफोर्ड, शेफर्ड और जोसेफ – को वेस्टइंडीज की वनडे सीरीज के लिए चुना गया है। हालांकि, सीडब्ल्यूआई ने साफ किया है कि शमर जोसेफ आईपीएल में नहीं लौटेंगे। वहीं, रदरफोर्ड और शेफर्ड की जगह जॉन कैंपबेल और जेडियाह ब्लेड्स को टीम में शामिल किया गया है। हेटमायर आयरलैंड दौरे पर नहीं जाएंगे, लेकिन इंग्लैंड दौरे में जुड़ेंगे। चूंकि राजस्थान की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर है, इसलिए हेटमायर की वापसी पर कोई विवाद नहीं होगा।

सीडब्ल्यूआई ने बीसीसीआई और फ्रेंचाइजियों के साथ बनाए रखा संवाद : सीडब्ल्यूआई ने एक आधिकारिक बयान में कहा, "यह परिस्थिति असाधारण है, लेकिन हमारे पास गहराई में अच्छी प्रतिभा है। हम आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ प्रतिस्पर्धी टीम उतारेंगे।" बोर्ड ने यह भी कहा कि बीसीसीआई और सभी आईपीएल फ्रेंचाइजियों के साथ संपर्क में रहकर खिलाड़ियों की सुरक्षा और सुविधा का ध्यान रखा जा रहा है। वेस्टइंडीज टीम आयरलैंड में 21, 23 और 25 मई को तीन वनडे खेलेगी और फिर इंग्लैंड में 29 मई, 1 जून और 3 जून को तीन वनडे खेलेगी। इसके बाद 6 जून से इंग्लैंड में ही तीन टी20 मैचों की सीरीज शुरू होगी। गौरतलब है कि आईपीएल का फाइनल 3 जून को है, जिससे वेस्टइंडीज खिलाड़ियों के लिए कोई टकराव नहीं रहेगा।

ऑलराउंडर की भूमिका निभाने को लेकर बेन स्टोक्स आशान्वित, कहा- इस बार रिकवरी बेहतर रही

एजेंसी, नई दिल्ली

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने इस गर्मी में ज़िम्बाब्वे और भारत के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज़ में एक ऑलराउंडर के रूप में अपनी पूरी भूमिका निभाने को लेकर "बहुत, बहुत आत्मविश्वास" जताया है। स्टोक्स पिछले पांच महीनों से हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने में जुटे थे। उन्होंने कहा कि इस बार उन्होंने अपनी रिकवरी को पहले से बेहतर तरीके से संभाला है। स्टोक्स को यह चोट पिछले साल अगस्त में 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट के दौरान लगी थी। हालांकि वे पाकिस्तान के खिलाफ अक्टूबर में टेस्ट खेलने के लिए लौटे थे, लेकिन दो महीने बाद न्यूजीलैंड में गेंदबाजी करते समय फिर से वही चोट उभर आई थी। इस बार उन्होंने पूरी सावधानी बरती है ताकि भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी सीरीज़ से पहले पूरी तरह फिट हो सकें। स्काई स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में स्टोक्स ने कहा, "मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। हालांकि ट्रेनिंग और असली मैच में फर्क होता है। चाहे आप ट्रेनिंग में कितना भी पसीना बहा लें, मैच की तीव्रता को दोहराना मुश्किल होता है।

लेकिन मेरी भूमिका एक खिलाड़ी के रूप में—चौथे सीमर की तरह गेंदबाजी करना, नंबर 6 पर बल्लेबाजी करना और हर मौके पर टीम के लिए मैच बदलने की कोशिश करना—वही रहेगी। मुझे पूरा विश्वास है कि मैं फिर से वैसा ही प्रदर्शन कर सकता हूं जैसा पहले कर चुका हूं।" पिछली बार जल्दबाज़ी में वापसी करने के अपने फैसले पर स्टोक्स ने कहा, "उस वक्त मुझे लगा कि मुझे जल्दी वापसी करनी है, लेकिन इससे मैंने खुद को नुकसान पहुंचाया। इस बार मेडिकल टीम और मैंने तय किया कि हम इसे पूरी तरह से सही करेंगे। शुरू के दो महीने काफी धीमे और थकाऊ थे, लेकिन इस बार शारीरिक और मानसिक रूप से यह सफर उतना मुश्किल नहीं रहा।" स्टोक्स ने यह भी बताया कि उन्होंने कोच ब्रेंडन मैकुलम से चर्चा की है ताकि वे खुद को ज़्यादा थकान से बचा सकें।

प्रो कबड्डी लीग: बंगाल वॉरियर्ज ने नवीन कुमार को बनाया हेड कोच

एजेंसी, मुंबई

प्रो कबड्डी लीग की दिग्गज टीम बंगाल वॉरियर्ज ने आगामी सीजन के लिए नवीन कुमार को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। हरियाणा से ताल्लुक रखने वाले नवीन कुमार कबड्डी के एक अनुभवी खिलाड़ी और कोच रह चुके हैं और उन्हें खेल में गहरी समझ, रणनीतिक सूझबूझ और विजयी सोच के लिए जाना जाता है। नवीन कुमार का कबड्डी में शानदार करियर रहा है। उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कई बड़े टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीते हैं, जिनमें 10वें दक्षिण एशियाई खेल (2006), 15वें एशियाई खेल (2006), द्वितीय वर्ल्ड कप (2007) और द्वितीय इंडोर एशियन गेम्स (2007) शामिल हैं। उनकी जीत की आदत और मजबूत मानसिकता निश्चित रूप से बंगाल वॉरियर्ज को मजबूती प्रदान करेगी, जो प्रो कबड्डी लीग की स्थापना से जुड़ी टीमों में से एक है। कोच के रूप में भी नवीन कुमार ने खुद को एक शानदार रणनीतिकार और नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित किया है। वे युवा प्रतिभाओं को तराशने और उन्हें उच्च स्तर तक पहुंचाने में माहिर माने जाते हैं। उन्होंने भारतीय नौसेना और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया जैसी प्रमुख टीमों की कोचिंग की है और उन्हें कई बार पोडियम तक पहुंचाया है। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए नवीन कुमार ने एक आधिकारिक बयान में कहा, "मैं बंगाल वॉरियर्ज का हेड कोच बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

यह एक शानदार मौका है एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीम तैयार करने का। मैं खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करने और उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को सामने लाने के लिए उत्सुक हूं। हमारे पास तैयारी के लिए काफी समय है और हम मिलकर एक चैंपियन टीम बनाएंगे।" बंगाल वॉरियर्ज के सीईओ और कॉन्टैक्ट स्पोर्ट्स के डायरेक्टर अपूर्व गुप्ता ने भी नवीन कुमार की नियुक्ति पर खुशी जताते हुए कहा, "नवीन कुमार अपने साथ अपार अनुभव और रणनीतिक दृष्टिकोण लेकर आ रहे हैं।

वर्ल्ड कप क्वालिफायर के लिए अर्जेंटीना टीम में लौटे लियोनेल मेसी, चिली और कोलंबिया से होंगे मुकाबले

एजेंसी, ब्यूनस आयर्स

अर्जेंटीना फुटबॉल टीम को वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबलों से पहले बड़ी राहत मिली है। कप्तान लियोनेल मेसी एक बार फिर टीम में वापसी कर रहे हैं। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने गुरुवार को यह घोषणा की कि मेसी जून में होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबलों में चिली और कोलंबिया के खिलाफ मैदान में उतरेंगे।

मार्च में नहीं खेल पाए थे मेसी : 37 वर्षीय इंटर मियामी स्टार मेसी मार्च में चोट की वजह से टीम का हिस्सा नहीं थे। उन्हें ग्रोइन (एडडक्टर) में चोट थी। इसके बावजूद अर्जेंटीना ने उरुग्वे और ब्राज़ील को हराकर अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर लिया था।

अर्जेंटीना का कार्यक्रम : अर्जेंटीना टीम 5 जून को चिली के खिलाफ उसका घरेलू मैदान में भिड़ेगी, जो अभी संघर्ष कर रही है। इसके बाद 10 जून को ब्यूनस आयर्स में छठे स्थान पर काबिज कोलंबिया से मुकाबला होगा। इन दोनों मुकाबलों के बाद मेसी अमेरिका लौट जाएंगे, जहां 14 जून को इंटर मियामी क्लब वर्ल्ड कप के पहले मुकाबले में मिस्र के अल-अहली से भिड़ेगा।

गार्नाचो की वापसी, डिबाला बाहर : कोच लियोनेल स्कालोनी ने 28 खिलाड़ियों की टीम घोषित की है, जिसमें मैनचेस्टर यूनाइटेड के युवा फॉरवर्ड एलेजांद्रो गार्नाचो की वापसी हुई है। उन्हें पिछली बार रणनीतिक कारणों से टीम से बाहर रखा गया था। वहीं चोटिल पाउलो डिबाला और गोंजालो मोंटीएल टीम का हिस्सा नहीं हैं।

ओटामेंडी, एनज़ो और पारेडेस निलंबित : पहले मैच में डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी और मिडफील्डर एनज़ो फर्नांडीज़ व लिआंद्रो पारेडेस नहीं खेल पाएंगे क्योंकि वे निलंबन की सजा झेल रहे हैं। हालांकि तीनों को स्क्वाड में शामिल किया गया है। डिफेंडर मार्कोस अकुन्या और जर्मन पेज़ेला को भी इस बार टीम में जगह नहीं मिली है।

इटालियन ओपन 2025: रूड को हरा कर सिनर सेमीफाइनल में पहुंचे

महिला वर्ग में कोको गॉफ फाइनल में

एजेंसी, रोम

इटली के जैनिक सिनर ने गुरुवार को कैस्पर रूड को सीधे सेटों में 6-0, 6-1 से हराकर इटालियन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है, जबकि कोको गॉफ ने चीन की झेंग किनवेन के साथ तीन सेटों तक चले मैराथन मुकाबले में जीत हासिल कर महिला वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया।

अमेरिकी गॉफ शनिवार को खिताबी मुकाबले में इटली की जैस्मीन पाओलिनी से भिड़ेंगी। उन्होंने साढ़े तीन घंटे तक चले मैच में 7-6 (7/3), 4-6, 7-6 (7/4) से जीत हासिल की। तीन महीने के डोपिंग प्रतिबंध से वापस आने के बाद से रोम में रूड, सिनर के लिए सबसे कठिन चुनौती थे, क्योंकि इस महीने की शुरुआत में मैड्रिड में जीत के बाद नॉर्वे का यह खिलाड़ी क्ले पर शानदार फॉर्म में था। अपने पिछले मैचों में सिनर पिछले साल मार्च में क्लोस्टेबोल के लिए सकारात्मक परीक्षण के लिए विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी से निलंबन स्वीकार किए जाने के बाद अभी भी अपने पैरों पर खड़े दिख रहे थे। लेकिन 23 वर्षीय खिलाड़ी ने टेनिस के शानदार प्रदर्शन के साथ मात्र एक घंटे से भी कम समय में छठी वरीयता प्राप्त रूड को हरा दिया। दूसरी तरफ, पूर्व यूएस ओपन विजेता कोको गॉफ ने ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट झेंग के खिलाफ लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इस मुकाबले में गॉफ ने अपनी सर्विस पर 15 डबल फॉल्ट किए, जबकि दोनों खिलाड़ियों की ओर से कुल 156 अनफोर्स्ड एरर (ग़लतियां) देखने को मिलीं।

21 वर्षीय गॉफ इस सीज़न का अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश कर रही हैं। इससे पहले वह मैड्रिड ओपन के फाइनल में आर्यना सबालेंका से हार गई थीं। अब अपने दूसरे फाइनल में वह इटली की पाओलिनी से भिड़ेंगी, जहां उन्हें घरेलू दर्शकों के कारण कहीं ज़्यादा जोश और दबाव वाला माहौल देखने को मिलेगा — जो कि पिछले मुकाबले की सुस्त भीड़ से बिल्कुल अलग होगा, जिसने आधी रात के बाद तक मैच देखा।

प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 की नीलामी 31 मई और 1 जून को मुंबई में

एजेंसी, मुंबई

मशाल स्पोर्ट्स ने शुक्रवार को प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 के लिए प्लेयर ऑक्शन की तारीखों का ऐलान कर दिया है। यह बहुप्रतीक्षित नीलामी 31 मई और 1 जून 2025 को मुंबई में आयोजित की जाएगी। सीजन 11 की शानदार समाप्ति के बाद अब प्रो कबड्डी एक बार फिर नई शुरुआत के लिए तैयार है। पिछले साल 29 दिसंबर 2024 को समाप्त हुए सीजन 11 में हरियाणा स्टीलर्स ने पहली बार खिताब अपने नाम किया था। फाइनल मुकाबले में उन्होंने तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स को हराकर इतिहास रच दिया था। प्रो कबड्डी लीग की शुरुआत 2014 में हुई थी और अब तक 11 सीजन में 8 अलग-अलग चैंपियन बन चुके हैं। सीजन 11 लीग के दूसरे दशक की शुरुआत का प्रतीक रहा, जिसने पीकेएलको भारत की सबसे सफल और लोकप्रिय खेल लीगों में शामिल कर दिया है। सीजन 12 की यह नीलामी एक और शानदार सीजन की शुरुआत का संकेत है—जहां फिर से राइवलरी देखने को मिलेगी, चैंपियन टीम अपनी ट्रॉफी बचाने उतरेगी, और देश-विदेश से जुड़े फैंस कबड्डी के जोश को नए स्तर पर ले जाएंगे। मशाल स्पोर्ट्स के बिजनेस हेड और प्रो कबड्डी लीग के चेयरमैन अनुपम गोस्वामी ने कहा, "हमें सीजन 12 की नीलामी की तारीखों की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह नीलामी सिर्फ खिलाड़ियों की खरीद-फरोख्त का मंच नहीं है, बल्कि यह दिखाता है कि टीमें कितनी रणनीतिक, महत्वाकांक्षी और प्रदर्शन के प्रति प्रतिबद्ध हैं। यह भारत के इस देशी खेल के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिभा को सामने लाने का भी माध्यम है।" एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) के संरक्षण में मशाल स्पोर्ट्स और जियोस्टार ने मिलकर पीकेएल को देश की सबसे बड़ी खेल लीगों में से एक बना दिया है। मैचों की संख्या के मामले में पीकेएल भारत की सबसे बड़ी लीग है।

ब्राजील फुटबॉल महासंघ अध्यक्ष एडनाल्डो रोड्रिग्स पद से हटाए गए

एजेंसी, रियो डी जनेरियो

ब्राजील फुटबॉल महासंघ (सीबीएफ) में बड़ा प्रशासनिक उलटफेर हुआ है। रियो डी जनेरियो के एक जज ने गुरुवार को सीबीएफ के अध्यक्ष एडनाल्डो रोड्रिग्स को उनके पद से हटा दिया है और "जल्द से जल्द" नए चुनाव कराने का आदेश दिया है।

यह फैसला उस समय आया है जब कुछ ही दिन पहले रोड्रिग्स ने इटालियन कोच कार्लो एंसेलोटी को ब्राजील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का नया कोच नियुक्त किया था। अब रोड्रिग्स ने देश की सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल कर दोबारा पद पर बहाल होने की मांग की है।

रोड्रिग्स का कार्यकाल घोषित, लेकिन कानूनी अड़चन : मार्च 2025 में रोड्रिग्स को दोबारा 2030 तक के लिए सीबीएफ अध्यक्ष चुना गया था, लेकिन जज गैब्रिएल डी ओलिवेरा जेफ़ीरो ने उस समझौते को अमान्य करार दिया जिसके तहत उन्हें पहले कार्यकाल की वैधता मिली थी। अदालत ने कहा कि उस समझौते के बिना रोड्रिग्स दोबारा चुनाव लड़ने के पात्र नहीं थे।

वाइस प्रेसिडेंट सरने ने संभाली कमान : इस फैसले के बाद सीबीएफ के सबसे वरिष्ठ उपाध्यक्ष फर्नांडो सरने ने संगठन की जिम्मेदारी संभाल ली है और नए चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, "सभी खेल गतिविधियां और मौजूदा अनुबंध सुरक्षित रहेंगे।" हालांकि यह साफ नहीं है कि एंसेलोटी का करार कानूनी रूप से अभी मान्य है या नहीं।

टीवी ग्लोबो से बात करते हुए सरने ने कहा, "मैं इस पद पर अस्थायी रूप से हूं। मेरा लक्ष्य जल्द से जल्द चुनाव कराना है ताकि कोर्ट की लड़ाई खत्म हो सके। फुटबॉल चलता रहेगा।"

पहले भी हटाए गए थे रोड्रिग्स : यह दूसरी बार है जब रोड्रिग्स को अदालत के आदेश से पद से हटाया गया है। इससे पहले दिसंबर 2023 में भी कोर्ट ने उन्हें पद से हटाया था, जब वह एंसेलोटी के साथ बातचीत कर रहे थे। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने बाद में उन्हें बहाल कर दिया था।

जनवरी 2024 में सीबीएफ के उपाध्यक्षों ने एक आपसी समझौता कर रोड्रिग्स के पहले कार्यकाल को मान्यता दी थी, ताकि वे फिर से चुनाव लड़ सकें। लेकिन अब जज जेफ़ीरो ने उस समझौते को अवैध करार दिया है, क्योंकि उसमें हस्ताक्षर करने वाले एक सदस्य — 86 वर्षीय एंटोनियो कार्लोस नून्स की मानसिक स्थिति को लेकर संदेह जताया गया है।

जज के मुताबिक नून्स को 2018 में ब्रेन कैंसर का पता चला था और तभी से उनकी मानसिक क्षमता सवालों के घेरे में है। अदालत ने सोमवार को नून्स की मानसिक स्थिति पर सुनवाई निर्धारित की थी, लेकिन उसी दिन एंसेलोटी की नियुक्ति की घोषणा के कुछ घंटे बाद ही यह सुनवाई स्थगित कर दी गई। सीबीएफ ने इस पूरे मामले पर अब तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है।

अल्टीमेट टेबल टेनिस का 31 मई से अहमदाबाद में होगा धमाकेदार आगाज

एजेंसी, नई दिल्ली

अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) का छठा सीज़न 31 मई से शुरू हो रहा है। टूर्नामेंट की शुरुआत अहमदाबाद के ईकेए एरिना में डबल हेडर मुकाबलों के साथ होगी। पहले मैच में सीज़न 2 की चैंपियन डबंग दिल्ली टीटीसी का सामना श्रीजा अकुला की जयपुर पैट्रियट्स से होगा, जबकि दूसरे मैच में डिफेंडिंग चैंपियन डेम्पो गोवा चैलेंजर्स की टक्कर मेज़बान अहमदाबाद एसजी पाइपर्स से होगी।

आयोजकों ने शुक्रवार को बताया कि सीज़न 6 में हर टीम कुल 5 मुकाबले खेलेगी। हर टाई में 5 मैच होंगे, 2 पुरुष सिंगल्स, 2 महिला सिंगल्स और 1 मिक्स्ड डबल्स। लीग चरण के अंत में शीर्ष 4 टीमें नॉकआउट में पहुंचेंगी। इस बार कुल 7 डबल हेडर मुकाबले तय किए गए हैं। डबल हेडर में पहले मुकाबले की शुरुआत शाम 5:00 बजे, और दूसरे मुकाबले की 7:30 बजे होगी, जबकि एकल मैचों की शुरुआत केवल 7:30 बजे से होगी।

वेब सीरीज एकाकी से आशीष चंचलानी की पहली झलक आई सामने

लालटेन पकड़े आए नजर, पोस्टर ने बढ़ाई फैंस की उत्सुकता

पॉपुलर यूट्यूबर आशीष चंचलानी अब लॉन्ग फॉर्मेट की स्टोरीटेलिंग की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं. वह जल्द ही अपनी मच अवेटेड वेब सीरीज एकाकी के साथ डेब्यू करने वाले हैं, जो एक सुपरनैचुरल थ्रिलर है. इस सीरीज में हॉरर और कॉमेडी का ऐसा यूनिक मेल देखने को मिलेगा, जैसा आशीष अपने गेम-चेंजिंग कंटेंट के जरिए पहले भी दिखा चुके हैं, लेकिन इस बार कुछ अलग, कुछ नया पेश करने का वादा है. पोस्टर भी काफी दिलचस्प है, अंधेरे में लालटेन लिए खड़े आशीष चंचलानी के चारों ओर फैले डरावने हाथ एक रोमांचक कहानी की झलक देते हैं. यह पहली ही नजर में दर्शकों को सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर सफर का एहसास करा देता है, जो उन्हें सीट से हिलने नहीं देगा. पोस्टर की अनोखी और डरावनी झलक ने दर्शकों के बीच जबरदस्त चर्चा छेड़ दी है. यह आशीष चंचलानी की क्रिएटिव सोच और उनकी कहानी कहने की ताकत को बखूबी दर्शाता है. डिजिटल एंटरटेनमेंट की दुनिया में आशीष, जो कि इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन कंटेंट क्रिएटर्स में गिने जाते हैं, अब एक ऐसी वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं जो वाकई गेम-चेंजर साबित हो सकती है. पोस्टर में आशीष चंचलानी के बेमिसाल एक्सप्रेशन ने फैंस की जिज्ञासा को और भी बढ़ा दिया है. लोग बेसब्री से जानना चाहते हैं कि एकाकी की कहानी आखिर है क्या. इस सीरीज के जरिए आशीष न सिर्फ एक्टिंग बल्कि निर्देशन और प्रोडक्शन में भी अपना डेब्यू कर रहे हैं. एसीवी स्टूडियोज के तहत बनी ये वेब सीरीज उनके टैलेंट के हर पहलू को सामने लाती है, वो एक्टर, डायरेक्टर, राइटर और प्रोड्यूसर के तौर पर पूरी तरह सामने आ रहे हैं. एकाकी एक ऐसा फॉर्मेट लेकर आ रही है जो भारत के डिजिटल स्पेस में कुछ नया और हटकर पेश करने का वादा करती है. एकाकी की शानदार कास्ट में आकाश डोडेजा, हर्ष राणे, सिद्धांत सरफरे, शशांक शेखर, रोहित साधवानी और ग्रिशिम नवानी जैसे टैलेंटेड कलाकार शामिल हैं, जो इस थ्रिलिंग कहानी में जान फूंकने वाले हैं. यह प्रोजेक्ट एसीवी स्टूडियोज के यूट्यूब चैनल पर रिलीज होने के लिए तैयार है और फैंस के बीच इस वेब सीरीज को लेकर काफी उत्साह है. वे बेसब्री से इस हाईली एंटीसीपेटेड सीरीज का इंतजार कर रहे हैं.<आशीष चंचलानी के भारतीय डिजिटल एंटरटेनमेंट को अपनी हंसी और अनूठी कहानी कहने की शैली से नए आकार देने के रास्ते को देखते हुए, एकाकी एक रोमांचक प्रोजेक्ट बनकर उभर रहा है, क्योंकि वह अब लॉन्ग फॉर्मेट स्टोरीटेलिंग में कदम रख रहे हैं. फैंस इस बात को लेकर काफी उत्साहित हैं कि अशीष चंचलानी अपने करियर का एक अहम कदम उठा रहे हैं, और अब वह इंडस्ट्री में एक विजनरी के तौर पर अपनी पहचान को और मजबूत करने जा रहे हैं. एकाकी का प्रीमियर एसीवी स्टूडियोज पर होगा, और इस वेब सीरीज को अशीष चंचलानी ने खुद प्रोड्यूस, डायरेक्ट और लिखा है.

द रॉयल्स में निभाए किरदार को लेकर नोरा फतेही की हो रही तारीफ

बालीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही द्वारा ओटीटी सीरीज़ द रॉयल्स में निभाए गए किरदार को लेकर उनकी तारीफ हो रही है। ओटीटी सीरीज में नोरा ने आयशा ढोंडी का किरदार निभाया है, अपने प्रदर्शन के लिए मिल रही तारीफों का भरपूर आनंद ले रही हैं। इस सराहना के बीच, नोरा ने अपने प्रशंसकों के साथ एक खास पर्दे के पीछे की झलक साझा की। इन बीटीएस तस्वीरों में नोरा गुलाबी रंग की भव्य साड़ी में नजर आ रही हैं, जो शाही गरिमा और शांत शक्ति का प्रतीक बनती हैं। उनके सॉफ्ट-ग्लैम मेकअप और बारीकी से चुनी गई ज्वेलरी ने फैशन प्रेमियों और प्रशंसकों दोनों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। इन तस्वीरों के साथ नोरा ने दर्शकों को उनके अभिनय और किरदार को इतना अपनापन देने के लिए धन्यवाद कहा। नोरा ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, "द बैडी, प्रिंसेस आयेशा... आइकॉनिक और खतरनाक इस मौके पर मैं उन सभी को दिल से धन्यवाद कहना चाहती हूं, जिन्होंने द रॉयल्स में आयशा के रूप में मेरे प्रदर्शन को इतना प्यार और सराहना दी... यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।" हालांकि नोरा की स्टाइलिंग लाजवाब थी, असली ध्यान उनके ऑन-स्क्रीन अभिनय पर था। आयशा ढोंडी के रूप में नोरा ने बेहद नियंत्रित और प्रभावशाली भावनाओं के साथ अभिनय किया। उनके हाव-भाव, बॉडी लैंग्वेज और स्क्रीन प्रेज़ेंस ने उन्हें सीरीज़ की सबसे दमदार झलकियों में से एक बना दिया। फैन-फेवरिट म्यूज़िकल सीक्वेंस "अदाएं तेरी" को महज 45 मिनट में शूट किया गया, जिसमें नोरा और ईशान खट्टर के बीच बेहतरीन केमिस्ट्री को बखूबी दर्शाया गया, जिसे दर्शक प्योर स्क्रीन मैजिक मान रहे हैं। नोरा इस समय एक बड़ी ग्लोबल स्टार पावर के रूप में धूम मचा रही हैं। उनका हिट सिंगल स्नेक, जो जेसन डेरुलो के साथ है, 130 मिलियन व्यूज पार कर चुका है। अभिनय के मोर्चे पर, नोरा ने हाल ही में बी हैप्पी में अपनी भूमिका के लिए प्रशंसा प्राप्त की और अब वह कंचना 4 में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही हैं।

रेड 2 की बॉक्स ऑफिस पर पकड़ बरकरार, 13वें दिन कमाए इतने करोड़ रुपये

अजय देवगन पिछले काफी समय से फिल्म रेड 2 को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। उनकी इस फिल्म को पहले ही दिन से सिनेमाघरों में दर्शकों का प्यार मिल रहा है। फिल्म को रिलीज हुए 13 दिन पूरे हो गए हैं और बॉक्स ऑफिस पर यह लगातार सफलता के झंडे गाड़ रही है। दूसरे सप्ताह में भी फिल्म का खुमार दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है। आइए जानें रेड 2 ने 13वें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, रेड 2 ने अपनी रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 4.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इस फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 129.85 करोड़ रुपये हो गया है। 48 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 140 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है। फिलहाल फिल्म का बॉक्स ऑफिस से हिलना मुश्किल लग रहा है। रेड 2 में अजय की जोड़ी वाणी कपूर के साथ बनी है, वहीं रितेश देशमुख ने भी फिल्म में अहम भूमिका निभाई है। फिल्म के निर्देशन की कमान राज कुमार गुप्ता ने संभाली है। रजत कपूर, सौरभ शुक्ला, सुप्रिया पाठक और अमित सियाल भी फिल्म का हिस्सा हैं। रेड 2 साल 2018 में आई रेड का सीक्वल है। इसमें 1980 के दशक में सरदार इंदर सिंह के घर पर पड़े आईटी विभाग की छापेमारी की सच्ची कहानी दिखाई गई थी।

उर्फी जावेद का टूटा सपना! अब नहीं जा पाएंगी कान्स फिल्म फेस्टिवल

उर्फी जावेद अपने अतरंगी स्टाइल के चलते सुर्खियों में छाई रहती हैं, लेकिन इस बार वह अपने पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। इस पोस्ट में उन्होंने खुलासा किया कि वह इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने वाली थीं, लेकिन किसी वजह से उनका यह सपना पूरा नहीं हो पाया। उर्फी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया और लिखा, मैं पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया से दूर थी। कुछ भी अपलोड नहीं कर रही थी। कहीं पर भी स्पॉट नहीं हो रही थी क्योंकि मैं मुश्किल दौर से गुजर रही थी। मेरा बिजनेस नहीं चल रहा। मैंने काफी अलग-अलग चीजें भी कोशिश की, लेकिन हर बार ही मुझे रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। मुझे इंडे वाइड के जरिए कान्स जाने का मौका भी मिला था, लेकिन जैसी मेरी किस्मत में लिखा था, मेरा वीजा रिजेक्ट हो गया। मैं कुछ मजेदार आउटफिट आइडिया कर रही थी (दीपा खोसला और क्षितिज कांकरिया धन्यवाद), लेकिन वीजा रिजेक्ट होने के बाद मैं और मेरी टीम बेहद निराश हो गई हैं। उन्होंने आगे लिखा, मुझे यकीन है कि आप में से बहुत से लोग खुद रिजेक्शन से गुजरे होंगे और मुझे आपकी कहानियां जानना अच्छा लगेगा। आइए एक-दूसरे का समर्थन करें क्योंकि रिजेक्शन दुनिया का अंत नहीं है। यह आपको और कड़ी मेहनत करने के लिए मोटिवेट करता है। रिजेक्शन के बाद, निराश महसूस करना और उस पर रोना साधारण है। यहां तक कि मैं भी रोती हूं, लेकिन अगर आप ध्यान से देखें तो हर रिजेक्शन एक मौका है। जिंदगी में बहुत सारे रिजेक्शन के बाद। मैं रुकने वाली नहीं हूं और इसलिए आपको भी नहीं रुकना चाहिए। बता दें कि कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में हर बार की तरह इस साल भी ऐश्वर्या राय बच्चन रेड कारपेट पर अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेरेंगी। इसके अलावा जाह्नवी कपूर, ईशान खट्टर और करण जौहर भी आने वाले हैं। क्योंकि कान्स में उनकी फिल्म होम बाउंड की स्क्रीनिंग होने वाली है। इसके अलावा शर्मिला टैगोर सत्यजीत रे की फिल्म अरान्येर दिन रात्रि की स्क्रीनिंग के लिए शामिल होंगी।

पर काम को बहुत-बहुत

येलो कलर की ड्रेस में पलक तिवारी का अनोखा अंदाज, मासूमियत चुरा लेगी दिल

श्वेता तिवारी की बेटी और अभिनेत्री पलक तिवारी इन दिनों चर्चा में हैं। वह फिल्मों के अलावा अपने फैशनेबल अंदाज को लेकर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपना लेटेस्ट फोटोशूट शेयर किया है, जिसमें उनका स्वैग अलग ही नजर आ रहा हैं। फैंस उनकी इस फोटो को बेहद पसंद कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में पलक येलो कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। उन्होंने फुल स्लीव्स शर्ट और मिनी स्कर्ट पहनी हुई है। शर्ट के साथ उन्होंने टाई भी पहनी हुई है। बालों को ब्लाउंस देते हुए खुला छोड़ा है और पैरों में ब्लैक हील्स नजर आ रही है। ऑवरऑल उनका लुक बेहद शानदार लग रहा है। उन्होंने इस पोस्ट के साथ कैप्शन में फनी इमोजी भी शेयर किए। उनकी हाल ही में फिल्म द भूतनी रिलीज हुई। इसमें उन्होंने संजय दत्त, मौनी रॉय और सनी सिंह के साथ काम किया। सिद्धांत सचदेवा

के निर्देशन में बनी इस फिल्म में मौनी ने एक चुड़ैल का किरदार निभाया है। द भूतनी को सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और थी डायमेंशन मोशन पिक्चर्स ने प्रस्तुत किया है, जिसे सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के बैनर तले दीपक मुकुट, संजय दत्त, हुनर मुकुट और मान्यता दत्त ने प्रोड्यूस किया है। पलक तिवारी की पहली फिल्म किसी का भाई किसी की जान थी। इस एक्शन-कॉमेडी फिल्म का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया था। यह फिल्म 2014 की तमिल फिल्म वीरम की रीमेक है, जिसमें उनके साथ सलमान खान, पूजा हेगड़े, वेंकटेश, शहनाज गिल, जगपति बाबू, जस्सी गिल, सिद्धार्थ निगम, मालविका शर्मा और राघव जुयाल समेत अन्य सितारे हैं। इसके अलावा, वह हार्डी संधू के हिट म्यूजिक वीडियो बिजली बिजली में भी नजर आईं। पलक जल्द ही फिल्म रोमियो एस3 में दिखाई देंगी। इसमें उनकी जोड़ी पहली बार ठाकुर अनूप सिंह के साथ नजर आएगी। फिल्म में अनूप पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाएंगे। वह डबल रोल में दिखेंगे। वहीं, एक्ट्रेस उनकी प्रेमिका बनी हैं। इस फिल्म का निर्देशन गुड्डू धनोआ ने किया है। यह फिल्म 16 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

आलिया को 'नेपो किड' कहने वालों पर भड़के करण जौहर

आलिया भट्ट बॉलीवुड की उन प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने अब तक कई शानदार फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवाकर दर्शकों से भरपूर प्यार भी पाया है। इसके बावजूद आलिया को अक्सर 'नेपोटिज्म' यानी भाई-भतीजावाद के मुद्दे पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है। हाल ही में फिल्म मेकर करण जौहर ने आलिया भट्ट को ट्रोल किए जाने और उन्हें 'नेपो किड' कहे जाने पर आलोचकों को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने आलिया का बचाव करते हुए कहा कि जो लोग इस तरह की बातें करते हैं, वे "इस दुनिया के सबसे मूर्ख

लोग" हैं। करण जौहर ने आलिया का पक्ष लेते हुए कहा, "क्या आपने 'हाईवे', 'उड़ता पंजाब', 'राजी', 'गंगूबाई काठियावाड़ी' फिल्में देखी हैं? उनकी फिल्मोग्राफी पर एक नजर डालें। अगर आप अभी भी उन्हें 'नेपो किड' कहते हैं, तो आप इस ग्रह पर सबसे बेवकूफ व्यक्ति हैं, और कोई भी आपकी मदद नहीं कर सकता।"करण ने आलिया के अभिनय करियर का जिक्र करते हुए विभिन्न भूमिकाओं में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के उदाहरण दिए। उन्होंने 'हाईवे' में एक अपहृत लड़की, 'उड़ता पंजाब' में एक बिहारी प्रवासी श्रमिक, 'राजी' में एक भारतीय जासूस और 'गंगूबाई काठियावाड़ी' में एक वेश्या की भूमिका निभाई। इन सभी फिल्मों में उनके अभिनय की आलोचकों द्वारा भी प्रशंसा की गई है। इन बयानों के माध्यम से करण जौहर ने आलिया भट्ट के अभिनय की प्रशंसा करते हुए यह स्पष्ट कर दिया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक :-जेम्स मरांडी, प्रधान संपादक- माइकल मरांडी, कोटालपोखर जिला साहिबगंज, पिनकोड -816105 से प्रकाशित
संथाल संध्या डिजिटल संध्या दैनिक हिंदी न्यूज़पेपर, संपर्क नंबरः- 9800993294,9334344989, Email: santhalsandhya@gmail.com